राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,26जून-2021 वर्ष-4, अंक -153पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

आपातकाल की 46वीं बरसी : पीएम मोदी ने किया ट्वीट, 'काले दिनों' को भुलाया नहीं जा सकता

देश में 25 जून 1975 का दिन काले अध्याय के तौर पर जाना जाता है। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इसे देश का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन की संज्ञा दी गई है। 46 साल पहले आपातकाल की घोषणा की गई थी। भाजपा नेताओं की ओर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

नई दिल्ली। 25 जून 1975 का दिन काले अध्याय के तौर पर जाना जाता है। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इसे सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन की संज्ञा दी गई है। 46 साल पहले आज के ही दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। आपातकाल में इस दौरान बहुत कुछ ऐसा हुआ था, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। आज के इस दिन पर नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा 'काले दिनों' को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि इस तरह कांग्रेस ने हमारे लोकतंत्र को कुचला। आपातकाल यानी 1975-77 तक देश में संस्थानों का विनाश देखा गया।

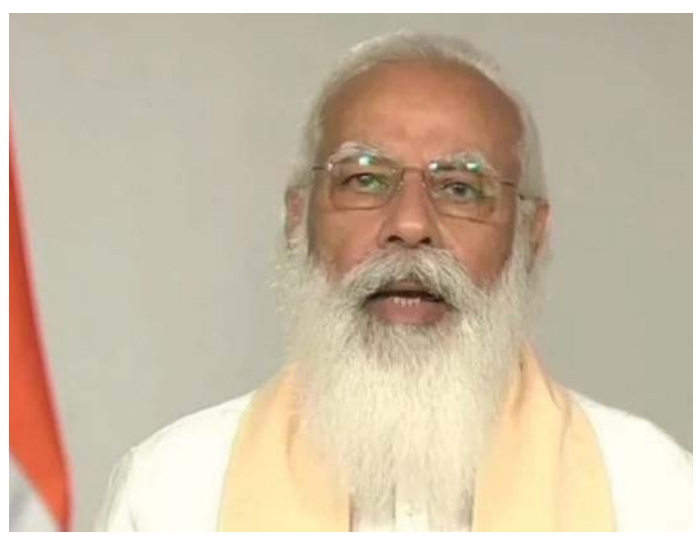

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट में आगे लिखा की हम भारत की लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लें और हमारे संविधान में निहित मूल्यों पर खरा उतरने की कोशिश करें। हम उन सभी महानुभावों को याद करते हैं, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा की।

भारतीय लोकतंत्र की रक्षा करने और आपातकाल का विरोध करने वालों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने भाजपा की ओर से सोशल मीडिया के मंच इंस्टाग्राम पर जारी किए गए पोस्ट के एक लिंक को भी साझा किया जिसमें जिक्र किया गया है कि आपातकाल के दौर में भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद पर बनी फिल्मों, किशोर कुमार के गानों, महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर के उद्धरणों तक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, इस प्रकार से कांग्रेस ने हमारे लोकतंत्र को कुचल दिया था।

गृहमंत्री ने कांग्रेस पर कसा तंज

वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने भी आपातकाल की 46वीं बरसी पर कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। गृहमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया 1975 में आज ही के दिन कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अंहकार में देश पर आपातकाल थोपकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की हत्या कर दी। असंख्य सत्याग्रहियों को रातों रात जेल की कालकोठरी में कैदकर प्रेस पर ताले जड़ दिए। नागरिकों के मौलिक अधिकार छीनकर संसद व न्यायालय को मूकदर्शक बना दिया। शाह ने आगे लिखा कि एक परिवार के विरोध में उठी आवाज को कुचलने के लिए थोपा गया आपातकाल आजाद भारत के इतिहास का एक काला अध्याय है।

● 46 साल पहले आज के ही दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। आपातकाल में इस दौरान बहुत कुछ ऐसा हुआ था, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। आज के इस दिन पर नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा 'काले दिनों' को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि इस तरह कांग्रेस ने हमारे लोकतंत्र को कुचला। आपातकाल यानी 1975-77 तक देश में संस्थानों का विनाश देखा गया।

वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद भी 76 फीसदी मिले संक्रमित

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण और संक्रमण को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने देश का पहला अध्ययन जारी किया है जिसके अनुसार वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद 76 फीसदी लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। संक्रमण की चपेट में आने के बाद इनमें से केवल 16 फीसदी लोग ही बिना लक्षण वाले मिले। जबकि करीब 10 फीसदी को अस्पतालों में भर्ती करना पड़ा। अध्ययन के दौरान 361 लोगों की जांच में 274 की आरटी पीसीआर जांच पॉजीटिव पाई गई। वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के 14 दिन बाद यह लोग कोरोना वायरस की चपेट में आए। कोविशील्ड और कोवाक्सिन को लेकर चल रहे विवाद पर भी आईसीएमआर ने स्पष्ट किया है कि कोविशील्ड लेने वालों में अधिक एंटीबॉडी बन रही हैं जबकि कोवाक्सिन लेने वालों में एंटीबॉडी 77 फीसदी ही मिली हैं। मेडिकल जर्नल रिसर्च स्कवायर में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार भुवनेश्वर स्थित आईसीएमआर की क्षेत्रीय लैब में देश भर से वैक्सीन ले चुके 361 लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। जांच में सभी सैंपल कोरोना संक्त्रस्मित मिले लेकिन 87 सैंपल को अध्ययन से बाहर करना पड़ा क्योंकि इन लोगों ने वैक्सीन की दोनों खुराक नहीं ली थीं। जांच में 274 लोगों में वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद संक्रमण का पता चला। इनमें से 35 (12.8 फीसदी) लोगों ने कोवाक्सिन की दोनों खुराक लीं। जबकि 239 (87.2 फीसदी) ने कोविशील्ड की दोनों खुराक ली थीं। इसी साल एक मार्च से 10 जून तक चले अध्ययन में पता चला कि कोवाक्सिन की दोनों खुराक लेने के बाद संक्रमित हुए 43 फीसदी स्वास्थ्य कर्मचारी थे जो दूसरी लहर के दौरान कोविड वार्ड इत्यादि जगहों पर कार्य कर रहे थे। वहीं कोविशील्ड लेने के बाद 10 फीसदी स्वास्थ्य कर्मचारी संक्रमित मिले। दो खुराक लेने के बाद संक्रमण की चपेट में आने के बीच औसतन अवधि 45 दिन देखी गई है।

फोर्ट इलाके में इमारत का हिस्सा गिरा, मलबे में पांच से ज्यादा लोगों के दबने की आशंका

दक्षिणी मुंबई स्थित आज सुबह-सुबह बड़ा हादसा हो गया। फोर्ट इलाके में एक पांच मंजिला इमारत का हिस्सा गिर गया। हालांकि, 40 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। वहीं कुछ लोगों के दबने की आशंका है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

मुंबई। बड़ी खबर मुंबई से आ रही है। फोर्ट इलाके में बिल्डिंग का एक हिस्सा गिरने की घटना सामने आई है। हालांकि अभी तक किसी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 40 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। वहीं कम से कम 6 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक, पांच मंजिला इमारत दक्षिण मुंबई स्थित फोर्ट इलाके में था। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंच गई। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब

इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था। बताया जा रहा है कि इमारत पुरानी है और इसके अंदरुनी हिस्सों में मरम्मत का काम चल रहा था। इमारत के तीसरी और चौथी मंजिल के स्लैब्स गिर गए। उन्हें सही सलामत बिल्डिंग से निकाला गया। किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ईडी ने पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के आवास पर मारा छापा, मनी लॉन्ड्रिंग का लगा आरोप

नागपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के घर पर छापेमारी की। ईडी ने अनिल देशमुख के नागपुर और मुंबई के वर्ली वाले घर पर छापेमारी की। ईडी की ओर से नागपुर और मुंबई में अलग-अलग छापेमारी की जा रही हैं। बता दें मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की ओर से लगाए गए आरोप के बाद अनिल देशमुख पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया था, जिसको लेकर ईडी लगातार उनसे पूछताछ कर रही है। बता दें कि परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखकर पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। इसके अलावा परमबीर सिंह ने बॉम्बे हाईकोर्ट में भी एक याचिका दायर की थी, जिसमें बताया गया था कि अनिल देशमुख ने सचिन वाजे को हर महीने लगभग 100 करोड़ रुपये की उगाही करने को कहा था। मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल देशमुख के घर पर दूसरी बार छापा मारा है। इससे पहले 25 मई को उनके घर पर छापेमारी की गई थी। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय से पहले सीबीआई ने उनके घर पर छापेमारी की थी। अनिल देशमुख पर ये इल्जाम लगने के बाद उन्होंने गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। परमबीर सिंह के अलावा सचिन वाजे ने भी अनिल देशमुख पर अनैध वसूली का आरोप लगाया था। सचिन वाजे ने एएनआई को दिए बयान में कहा कि मैंने छह जून 2020 को दोबारा ड्यूटी ज्वाइन की थी। हालांकि मेरी ज्वाइनिंग से शरद पवार खुश नहीं थे, और उन्होंने मुझे दोबारा सस्पेंड करने के लिए कहा। यह बात मुझे खुद अनिल देशमुख ने बताई थी। अनिल देशमुख ने मुझसे पवार को मनाने के लिए दो करोड़ रुपये भी मांगे थे। इतनी बड़ी रकम मेरे लिए चुकाना मुमकिन नहीं था, अनिल देशमुख ने मुझे इसे बाद में चुकाने को कहा। इसके बाद मेरी पोस्टिंग मुंबई के क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट में हुई।

● बता दें कि परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखकर पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। इसके अलावा परमबीर सिंह ने बॉम्बे हाईकोर्ट में भी एक याचिका दायर की थी, जिसमें बताया गया था कि अनिल देशमुख ने सचिन वाजे को हर महीने लगभग 100 करोड़ रुपये की उगाही करने को कहा था।

पुणे में 130 करोड़ के फर्जी बिल जारी कर टैक्स चोरी, गिरफ्तार

पुणे में बिना किसी सामान के खरीद फरोख्त के 130.5 करोड़ के फर्जी बिल जारी कर जीएसटी चोरी करने का मामला सामने आया है।

पुणे। आयकर विभाग की टीम ने कथित तौर पर 130.5 करोड़ के फर्जी बिल जारी करने के मामले में ओम प्रकाश तीरथदास सचदेव नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसने बिना सामान की आपूर्ति के ही 19.79 करोड़ रुपए का इनपुट क्रेडिट टैक्स पास किया। विभाग की ओर से जारी बयान के मुताबिक सचदेव श्री वाहेगुरु ग्लोबल माइंस प्राइवेट लि. का निदेशक है। उसने थर्ड पार्टी के नाम पर कई कंपनी

और फर्म बना रखे थे। उस पर जीएसटी कानून 2017 के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे 6 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

25 जून के दिन देश में लगी थी इमरजेंसी, राहुल ने लोकतंत्र पर बताए कांग्रेस के विचार

नई दिल्ली। आज से 46 साल पहले यानी 25 जून 1975 की आधी रात को भारत में एक ऐसी घटना घटी, जिसे भारतीय राजनीतिक इतिहास का काला अध्याय माना जाता है। आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी यानी आपातकाल की घोषणा की थी। ठीक इसी मौके पर आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकतंत्र पर कांग्रेस के विचार की बात की है। राहुल गांधी के विचार के माध्य से कांग्रेस ने बताया है कि उसकी नजर में लोकतंत्र का क्या मतलब है।

● तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी यानी आपातकाल की घोषणा की थी। ठीक इसी मौके पर आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकतंत्र पर कांग्रेस के विचार की बात की है। राहुल गांधी के विचार के माध्य से कांग्रेस ने बताया है कि उसकी नजर में लोकतंत्र का क्या मतलब है।

दरअसल, राहुल गांधी की तस्वीर के साथ उनके विचार को कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर शेयर किया गया है, जिसमें लिखा गया है- लोकतंत्र का मतलब है कि मनमानी चीजें न हों, लोकतंत्र का मतलब होता है फैसलों को साझा करना, लोकतंत्र का मतलब यह नहीं कि इस प्रक्रिया को बर्बाद कर दिया जाए।

वहीं, कांग्रेस के विचार वाले ट्वीट में लिखा गया है, लोकतंत्र का सार विकेंद्रीकृत शक्ति और बहस है। यह संस्थाएं हैं जो सरकार को जवाबदेह रखती हैं और यह लोगों के कल्याण के प्रति सरकार का कर्तव्य है, न कि इसके विपरीत। इस ट्वीट में हैशटैग कांग्रेस के विचार का इस्तेमाल किया गया है।

बता दें कि आज देश में आपातकाल की बरसी है। 25 जून को जो देश में आपातकाल की घोषणआ की गई थी, वह 21 मार्च तक लागू रही थी। इस फैसले की वजह से आज भी इंदिरा गांधी की आलोचना होती है। यह इतिहास के सबसे विवादित फैसलों में से एक है, जब आपातकाल के नाम पर प्रेस पर भी लगाम लगाने की कोशिश की गई थी।

चीन से तनातनी के बीच बड़ा फैसला, भारतीय सेना से हटाए जाएंगे 4 दशक पुराने लड़ाकू वाहन

नई दिल्ली। सीमा विवाद को लेकर चीन से जारी तनातनी के बीच भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख समेत विभिन्न सीमाओं पर तैनात 40 साल पुराने लड़ाकू वाहनों को बदलने का फैसला किया है। इसके लिए प्रक्रिया शुरू की गई है,लेकिन इन्हें बदलते-बदलते भी अभी दो-तीन साल और लग जाएंगे। ये बुलेट प्रूफ वाहन होते हैं जिनमें हथियार भी फिट रहते हैं तथा युद्ध क्षेत्र में सैनिकों के आवागमन, जवाबी हमलों आदि के लिए बेहद सुरक्षित माने जाते हैं।

सेना के सूत्रों ने बताया कि इन वाहनों का निर्माण देश में ही करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए बुधवार को सेना की तरफ से निर्माताओं से प्रस्ताव मांगे हैं। हालांकि, घरेलू निर्माताओं को छूट दी गई है कि वे इनके निर्माण के लिए विदेशी कंपनियों के साथ भी साझीदारी कर सकते हैं।

सेना के सूत्रों के अनुसार, हर बटालियन को युद्ध अभियानों के दौरान सैनिकों के सुरक्षित आवागमन के लिए इस प्रकार के कांबेट व्हीकल दिए जाते हैं। सेना के पास करीब 1700 ऐसे वाहन हैं लेकिन इनमें से ज्यादातर 1980 के दशक के बीएमपी व्हीकल हैं जो रूस से लिए गए थे। बाद में कुछ वाहन आर्डिनेंस फैक्टरियों ने भी बनाकर दिए थे। तब से यही चल रहे हैं। अब इसकी जगह फ्यूचरिस्टिक इंफेंट्री कांबेट

व्हीकल (एफआईवीसी) खरीदे जाएंगे।

यूएन के मंच पर भारत ने फलस्तीन के लिए की बैटिंग, जानें क्या-कुछ कहा?

सेना के सूत्रों ने कहा कि इन सभी वाहनों को बदलने की जरूरत हैं। सेना में इन्हें अब विंटेज व्हीकल के रूप में जाना जाता है। लंबे समय से सेना इन्हें बदलने की मांग करती आ रही है। लेकिन करीब 60-65 हजार करोड़ की कुल लागत के इन वाहनों की खरीद अभी तक टलती आ रही थी। बहरहाल, अब सरकार ने इन्हें खरीदने का फैसला लिया है तथा घरेलू निर्माताओं से प्रस्ताव मांगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, आपूर्तिकर्ताओं को कांट्रेक्ट साइन होने के बाद प्रतिवर्ष 75-100 वाहनों की आपूर्ति करनी होगी। इसमें से 55 फीसदी वाहन गन के साथ होंगे तथा बाकी अन्य विशेषताओं वाले होंगे। निर्माताओं से एक सप्ताह के भीतर प्रस्ताव मांगे गए हैं। यह वाहन शून्य से 20-30 डिग्री नीचे और 45 डिग्री से भी अधिक तापमान में कार्य करने में सक्षम होते हैं। इन्हें नदी-नालों, जंगलों, रेल आदि कहीं भी 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जा सकता है। ये न सिर्फ बुलेट प्रूफ होते हैं बल्कि भारी गोला बारुद के हमले का भी इन पर कोई असर नहीं होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

डेल्टा प्लस से खतरा

भारत में कोरोना की तीसरी लहर का खतरा दरवाजे खटखटाने लगा है। यह न केवल सजगता, बल्कि संकट से उबरने के लिए ज्यादा ईमानदार कदम उठाने का समय है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि कोरोना के डेल्टा प्लस वेरिएंट के देश में अब तक 40 मामले मिल चुके हैं। महाराष्ट्र में चिंता सर्वाधिक है। महाराष्ट्र में कोविड कार्यबल का कहना है कि अभी इसे लेकर चिंता करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं मिल पाए हैं। यह चिंता वाली बात है। अव्वल तो कोरोना के किसी भी मामले को गणना से वंचित नहीं रहने देना चाहिए और शुरुआती रूप से बहुत खतरनाक बताए जा रहे डेल्टा प्लस के मामलों के प्रति तो और सजग रहने की जरूरत है। एक-एक मामला दर्ज होना चाहिए, ताकि उसकी निगरानी व इलाज में सुविधा हो। इस वेरिएंट को फैलने से रोकने के लिए यह जरूरी है कि रोगी को फौरन क्वारंटीन किया जाए, ताकि उसके इलाज और उस पर होने वाले चिकित्सकीय शोध से सुनिश्चित लाभ मिले और इस वेरिएंट को फैलने से रोका जा सके।

ध्यान रहे, डेल्टा वेरिएंट को हम शुरू में रोकने में नाकाम रहे और इसने देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। डेल्टा प्लस के समय में हमें वही गलती दोहराने से बचना चाहिए। महाराष्ट्र के कोविड-19 कार्यबल के सदस्य डॉक्टर शशांक जोशी ने उचित ही चेताया है कि लोगों को कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने, मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और टीका लगवाने की जरूरत है। लेकिन आज यह बड़ा सवाल है कि क्या लोग दिशा-निर्देशों की पालना कर रहे हैं? कितने लोग मास्क पहन रहे हैं? क्या टीका लगाने या लगवाने में तेजी आई है? यह बहुत अफसोस की बात है कि हम तीसरी लहर की आशंका के बावजूद उतने सतर्क नहीं हैं, जितना हमें होना चाहिए। अत्यधिक संक्रामक माने जा रहे डेल्टा प्लस के 21 मामले अकेले महाराष्ट्र में मिले हैं। सर्वाधिक नौ मामले रत्नागिरि जिले में हैं, जबकि दो मामले मुंबई में। चूंकि महाराष्ट्र व्यावसायिक रूप से देश का नेतृत्व करने वाला राज्य है, इसलिए उसका देश के सभी राज्यों से भरपूर जुड़ाव है। अतः मुंबई और महाराष्ट्र में ही अगर इस वेरिएंट को रोकने की कवायद ईमानदारी से की गई, तो इस वेरिएंट को बेकाबू होने से रोका जा सकेगा। आधिकारिक रूप से मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में भी डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले सामने आ चुके हैं। क्या इन राज्यों में सतर्कता बढ़ी है? क्या दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो रहा है? लोगों को लगातार जागरूक करते रहना होगा। सबसे जरूरी है कि चिकित्सक सावधान और तैयार रहें। अभी इस वेरिएंट के ज्यादा खतरनाक होने की चर्चा की जा रही है, पर यह कितना खतरनाक होगा, अभी चिकित्सक स्पष्ट नहीं बता रहे हैं। संक्रमित लोगों के आंकड़ों के अध्ययन से ही इस वेरिएंट की गंभीरता का अंदाजा लगेगा। विशेषज्ञ जल्दी से जल्दी इसकी गंभीरता का ठोस पता लगाएं और बचाव व इलाज पर पूरी मुस्तैदी से जोर दिया जाए, तो हम तीसरी लहर को खतरनाक बनने से रोक सकेंगे। कोरोना वायरस का डेल्टा प्लस स्वरूप भारत के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, जापान, पोलैंड, नेपाल, चीन और रूस में भी मिला है। हमारे देश के डॉक्टरों को यह जरूर देखना होगा कि ये देश कैसे मुकाबला कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में नई आहट

जैसा कि पहले सोचा जा रहा था उसके ठीक विपरीत जाते हुए जम्मू-कश्मीर के प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन पीएजीड़ी (पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार ड़िक्लेरेशन) के घटक दलों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बुलाई सर्वदलीय बैठक में शामिल होने का फैसला किया है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि शायद इन दलों के नेता बैठक से दूर रहें। यह बैठक प्रधानमंत्री के आवास पर होने वाली है। बैठक के लिए जम्मू-कश्मीर के आठ राजनीतिक दलों के चौदह नेताओं को आमंत्रित किया गया है। लगता है कि केंद्र सरकार जल्द वहां राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करना चाहती है। दूसरी ओर गुपकार गठबंधन के नेता भी यह संकेत देना चाहते हैं कि वे अलग-थलग नहीं पड़ना चाहते। केंद्र ने पांच अगस्त 2019 को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को निष्प्रभावी कर दिया था और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदल दिया था। राज्य के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला सहित अनेक प्रमुख विपक्षी नेताओं को नजरबंद कर दिया गया था। इस सबके बाद घाटी के राजनीतिक दलों और केंद्र सरकार के बीच अविश्वास की गहरी खाई बन गई थी और एक विचार शून्यता की स्थिति थी। केंद्र की इस पहल से लगता है कि वह लंबे समय तक यथास्थिति कायम नहीं रखना चाहता। जम्मू-कश्मीर की कमान फिलहाल केंद्र के हाथों है। वहां पंचायत और जिला विकास परिषद के चुनाव कराए जा चुके हैं। चुनाव में गुपकार गठबंधन के प्रमुख दलों नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने भी हिस्सा लिया था। इस बीच बैठक का अभी कोई घोषित एजेंड़ा नहीं है। लगता है सरकार घाटी के नेताओं का मन टटोलना चाहती है। क्योंकि गुपकार गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं को साथ लिये बिना कश्मीर में सियासी प्रक्रिया शुरू करना संभव नहीं है। जम्मू को लेकर भी परिसीमन की मांग उठ रही है। गुपकार गठबंधन के नेता अनुच्छेद 370 की बहाली पर जोर देते रहे हैं। महबूबा मुफ्ती ने बैठक से ठीक पहले पाक से वार्ता पर जोर देकर माहौल गर्मा दिया है। गुपकार संगठन के नेताओं को समझना चाहिए कि तनातनी से कुछ हासिल नहीं होगा। संवाद ही कटुता दूर करने का सही उपाय है।

कटाक्ष/ सहीराम

मंदिर आ रहा है

भैया महामारी के इस दौर में आदमी की जान के अलावा सस्ता क्या है, जरा हमें भी बता दो। पेट्रोल महंगा, डीजल महंगा, एक सरसों का ही नहीं, खाने के सब तेल महंगे, सब्जियां महंगी, आटा महंगा, दाल महंगी और दवाएं महंगी। सस्ता क्या है पता नहीं। फिर भी लोगों को आश्चर्य हो रहा है, वे हैरान है, हतप्रभ हैं कि अयोध्या की जमीन क्यों इतनी महंगी हो गई।

वे चिल्ला रहे हैं, हल्ला कर रहे हैं और मंदिरवालों को घोटालेबाज कह रहे हैं। अब आप इतने तो अनजान नहीं होंगे न कि आपको पता ही न हो कि जमीन क्यों महंगी होती है। जमीन तब महंगी होती है जब वहां कुछ-न-कुछ आ रहा होता है। जैसे देहाती क्षेत्रों की कुछ जमीनें इसलिए महंगी हो जाती हैं कि वहां औद्योगिक क्षेत्र बन रहा होता है, सेज बन रहा होता है। कुछ जमीनें इसलिए महंगी हो जाती हैं कि हल्ला मच जाता है कि वहां हवाई अड्डा आ रहा है। कुछ जमीनें इसलिए महंगी हो जाती हैं कि वहां से एक्सप्रेसवे निकलनेवाला होता है। शहरों के आसपास के गांवों में जमीनें इसलिए महंगी हो जाती हैं कि सरकार रिहाइश के लिए उन जमीनों का अधिग्रहण करने वाली है। शहरों की कुछ कॉलोनियों में जमीन इसलिए महंगी हो जाती है कि हल्ला मच जाता है कि वहां मेट्रो आने वाली है। अब भैया, सच पूछो तो अयोध्या की जमीन भी इसीलिए महंगी हुई क्योंकि वहां मंदिर आ रहा है। मंदिर के साथ कारोबार तो जुड़ा होता है प्रसाद का, मिठाइयों का, मूर्तियों का, फुलवालों का, चुनरीवालों का, लेकिन मंदिर के साथ अभी तक जमीन का कारोबार नहीं जुड़ा था, वह भी अब जुड़ गया। लोग हमारे नेताओं पर, उनके चेले-चांटों पर, उनके चहेते प्रॉपर्टी डीलरों पर यह आरोप लगाते रहते हैं कि उन्हें पता होता है कि कहां सेज आ रहा है, कहां हवाई अड्डा आ रहा है, सो वे वहां की जमीनें किसानों से सस्ते में खरीद लेते हैं और फिर उसे सरकार को महंगे बेच देते हैं। हो सकता है कुछ इसी तरह का मामला अयोध्या में भी हुआ हो। रामलला के भक्तों को पता हो कि मंदिर आ रहा है और उसके लिए फलां जगह से चार लेन रास्ता निकलेगा तो उन्होंने भी पहले सस्ते में जमीनें खरीद ली हों और बाद में महंगे में बेच दी हों। यह तो कारोबार है। अब कारोबार में घोटाला तो होता ही रहता है, इसमें इतना हल्ला क्या मचाना?

विकास वही जो जान बचा सके

बद्री नारायण

पिछले दशक का सबसे शक्तिवान शब्द रहा है – विकास। वर्ष 1991 में भारत में उदारवादी अर्थव्यवस्था के लागू होने के बाद से यह भारतीय जनाकांक्षाओं व जनतांत्रिक राजनीति का 'टैग लाइन' बनता गया। भारतीय समाज में प्रगति एवं परिवर्तन की दिशा कमोबेश लोगों के मन में उमड़ रहे 'विकास' की चाह ने ही निर्धारित की है। विकास की यह पूरी अवधारणा सुविधा, गति व चकाचौंध के आधार पर सोची-समझी जाती रही। हाइवे, फ्लाई ओवर, मॉल, बिजली, एलईडी लाइट की चमक जैसे तत्व देश के विकास के प्रतीक के रूप में उभरे। प्लास्टिक मुद्रा, क्रिप्टोकरेंसी की अबाध गति मानवीय गतिशीलता के अन्य प्रकारों से जुड़कर एक वैश्विक दुनिया, वैश्विक मानुष व बाजार बनाने लगे ही थे कि कोविड-19 ने विकास की इस पूरी अवधारणा को उल्टा कर दिया।

विकास की उसी चाह के बारे में, जो भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में भी एक अबूझ जन-संगीत बनकर गूंजने लगी थी, जब मैंने उत्तर प्रदेश के एक गांव के अधेड़ किसान से जब पूछा, तो उसने अत्यंत निराशा भरे स्वर में कहा, 'क्या विकास भइया? पहले जान तो बचे'। अमेठी के पास बसे एक गांव के उस अधेड़ की यह प्रतिक्रिया आजकल 'विकास' के उस पूरे साज-बाज, सोच-समझ पर एक लोकप्रिय लोक प्रतिक्रिया के रूप में आपको गांवों-कस्बों में सुनाई पड़ेगी। शहरी, नागर, कॉस्मोपोलेटियन लोग-बाग को, जो अपने को विकसित मान रहे थे, कोरोना के कठिन और दुखद अनुभव ने अभी तक विकास की चल रही दिशा को निस्सार मानने को विवश कर दिया है। अस्पतालों की कमी, ऑक्सीजन की किल्लत, कोविड बेड, कोरोना के इलाज की दवाएं, इंजेक्शन की मारामारी ने हम सबको यह सिखाया है कि 'विकास' की वर्तमान अवधारणा में आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है।देह की सुरक्षा, प्राण-रक्षा के उपाय, सक्षम जन-स्वास्थ्य सेवाएं, टीके, भयानक वायरस को रोकने वाली दवाएं इस 21वीं सदी की दुनिया एवं विशेषकर भारत में विकास की मूल चिंता होनी चाहिए। अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं, डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी इस वक्त के सबसे जरूरी घटक माने जाने चाहिए। यही सब आज के संदर्भ में विकास का मानवीय चेहरा रच पाएंगे। जन-स्वास्थ्य सुविधाओं और जीविका के साधनों को समाज के सबसे अंतिम आदमी तक पहुंचाना ही आज के संदर्भ में विकास का सही अर्थ होगा। इस वायरस के महाघात ने सुविधा व गति से ज्यादा 'मानवीय जैविक देह की रक्षा' को विकास और प्रशासन की गतिकी व नैतिकता के मूल में ला खड़ा किया है। इसने हमें समझाया है कि गति से ज्यादा विवेकवान स्थिरता, वैश्विक से ज्यादा स्थानीयता और स्थानीय संसाधन क्षमताओं के विकास व विस्तार को केंद्र में रखकर ही अब कुछ दिनों तक नीतियां बनानी पड़ेंगी। इसी के आधार पर हमें अपने शासन-प्रशासन का नियोजन करना होगा। आने वाले दिनों में अधिक से अधिक चिकित्सकीय ज्ञान से लैस जनसेवक तैयार करने ही होंगे। वायरस के खिलाफ चल रही यह मानवीय लड़ाई निगरानी, नियंत्रण व स्वास्थ्य रक्षा के सिद्धांतों पर लड़ी जा रही है। इसमें वायरस के खिलाफ हम अपनी रक्षा के सिद्धांत पर चल रहे हैं। स्वास्थ्य रक्षा के इस सिद्धांत ने इस महासंकट के भारतीय राज्य शास्त्र पर हमें फिर से सोचने के लिए बाध्य किया है। हमें अपने राष्ट्रीय व राज्य बजट का एक महत्वपूर्ण अंश भविष्य में स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सा शिक्षा, जन-स्वास्थ की मूलभूत सुविधाएं जुटाने के लिए आवंटित करना ही होगा। भविष्य में गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की ही तरह स्वास्थ्य मंत्रालय भारतीय जनतांत्रिक शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण विभाग हो जाएगा। जान की रक्षा, सुरक्षित सीमित यात्रा, वर्चुअल संवाद, राज्य व जनता के बीच संवाद अब सत्ता, शासन और विकास के स्वरूप तय करेंगे। राज्य व समाज, दोनों मिलकर ऐसे आपातकाल में इस महासंकट से उबरने में सफल हो पाएंगे। कोरोना के इस संकट ने हमें यह भी समझाया है कि हमारे सभी पक्षों के नेतृत्वकारी तबके को और ज्यादा जागरूक व स्वास्थ्य संकटों का सामना करने में अपने को सक्षम बनाना होगा। स्वास्थ्य संकटों के संदर्भ में त्वरित प्रतिक्रिया करने के लिए सक्षम राज्य-सत्ता हमें बनानी ही पड़ेगी। साथ ही, राज्य के साथ 'समाज', सेवाभावी संस्थाएं, जनसेवक, राज्य व समाज के लगभग सभी पक्षों को जागरूक, संवेदनशील व सेवाभावी बनना होगा। भारतीय नौकरशाही अगर सक्षम एवं संवेदनशील हो, तो हमें ऐसे आपातकाल का सामना करने में मदद मिलेगी, क्योंकि इन दिनों जागरूकता आधारभूत संरचना व स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं सबको जमीनी स्तर पर पहुंचाने का मिशन पूरा करना सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए शीर्ष स्तर पर टीम बनाने के साथ ही सत्ता, सरकार व जनता को मिलकर अनेक 'जन टीमें' बनानी पड़ेंगी। कोरोना ने न केवल विकास की प्रचलित अवधारणा को प्रभावित किया है, बल्कि भारतीय राज्य शास्त्र और प्रशासन में महत्वपूर्ण परिवर्तन की स्थितियां बना दी हैं। इसने भारत में जनतांत्रिक राजनीति के स्वरूप में भी तोड़-फोड़ व रूपांतरकारी परिवर्तन पैदा किए हैं। हम देखेंगे कि आगामी चुनावों में किस तरह पारंपरिक विकास की जगह जन-स्वास्थ्य व प्राण रक्षा के विमर्श केंद्र में आते जाएंगे। राजनीतिक दलों के घोषणापत्र, संकल्प, भाषण, वादे, एक-दूसरे पर आघात कोरोनावायरस के विरुद्ध लड़ाई लड़ने के ढंग और स्वास्थ्य सुविधा के प्रश्न पर केंद्रित होते जाएंगे। सामाजिक विकास के अन्य प्रश्नों की जगह कोरोना से मिले व्यक्तिगत अनुभव, दुखद स्मृतियां भारतीय जनतांत्रिक राजनीति में गोलबंदी तय करने वाला एक सक्षम तत्व बनकर उभरेगा। आगे आने वाले राजनीतिक विमर्शों में अब तक के हुए विकास में 'स्वस्थ रहने व रोगहीन जीवन' के अधिकार को ठीक से सुनिश्चित नहीं करने को एक बड़ी प्रशासनिक व योजनागत भूल के रूप में पेश किया जाएगा। एक बार फिर हम नए अर्थों में 'पर्सनल ही पॉलिटिकल है' जैसे राजनीतिक अनुभव से गुजरेंगे। यही स्थिति रही, तो समाज और राज्य को लंबे समय तक 'महज जैविक देह रक्षा' की गहन चिंता वाला समाज बनकर रहना पड़ेगा। हालांकि, यह संतोष की बात है कि कोरोना की तीसरी लहर के आने की आशंका के चलते भारतीय राज्य व समाज अत्यंत जीवटता के साथ भविष्य के स्वास्थ्य संकटों का सामना करने के लिए अपने को तैयार कर रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> “ हम देखेंगे कि आगामी चुनावों में किसी तरह के पारंपरिक विकास की जगह जन-स्वास्थ्य व प्राण-रक्षा के विमर्श केंद्र में आते जाएंगे। ”

भ्रष्ट तंत्र में पलायन

युवाओं के आज व कल की फिक्र कीजिए

लक्ष्मीकांता चावला

जबसे शिक्षा-दीक्षा के साथ संबंध जुड़ा, तब से यही सुना है कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। जवानी देश की वर्तमान भी है भविष्य भी। युवा शक्ति के लिए यह भी कहा जाता है कि जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है। आज समझ नहीं आ रहा कि जवानी को दिशाहीन होते देखकर देश के कर्णधारों को चिंता क्यों नहीं। सच तो यह है कि जवानी दिशाहीन नहीं, जिन्होंने जवानी को दिशा देनी है उनका लक्ष्य केवल सत्ता और धन है।

पिछले दिनों तीन विशिष्ट व्यक्तियों के मुख से सुना कि अब अपने देश में बच्चों का भविष्य क्या है। ये तीनों वे हैं, जिनकी युवाओं का भविष्य बनाने में भूमिका है। देश के युवकों को देश में ही रहने की प्रेरणा देते हैं। जिन व्यक्तियों से ये निराशाजनक वाक्य सुने, उनमें से एक वर्तमान सांसद, एक वर्तमान विधायक और वर्तमान सरकार का वरिष्ठ अधिकारी भी है। इन तीनों से ही जब उनके बेटे-बेटियों की बात की गई तो एक ने बड़ी शान से कहा आइलेट पास कर लिया है बेटी ने, विदेश जाएगी। एक सांसद बड़े निराश थे कि लॉकडाउन के कारण विदेश से वापस आए बेटे जा नहीं पा रहे। आखिर तो उन्हें जाना ही होगा। यहां जवानी का भविष्य क्या है। एक उच्चाधिकारी बहुत प्रसन्न थे कि उनके दोनों बेटे दुनिया के शक्तिशाली देश में रोटी-रोजी बड़ी शान से कमा रहे हैं। बिना सिफारिश ही उन्हें वहां नौकरी मिल गई।

सबसे कष्टदायक वाक्य वह रहता है जब उच्चाधिकारी, जनप्रतिनिधि और आम जन भी यह कहते हैं कि देश का सिस्टम खराब है। इसलिए यहां कोई तरक्की नहीं कर सकता या रिजर्वेशन के कारण बहुत से बच्चे आगे बढ़ने से वंचित रह जाते हैं।

हाल ही में जब पंजाब सरकार ने विधायकों के बेटों को ही सरकारी नौकरी में बिना किसी साक्षात्कार लिखित परीक्षा के सीधे अफसर बना दिया, तो व्यापक जनाक्रोश के चलते मनमाफिक मंसूबों पर आंच आई। पंजाब कैबिनेट में कुछ मंत्रियों ने भी इसका विरोध किया। सवाल तो यह है कि जब यह खुला पक्षपात देश की जवानी के साथ किया जाता है तो शेष युवक-युवतियां अपना भविष्य इस सिफारिशी सिस्टम से दूर दुनिया के विभिन्न देशों में देखते हैं। हर वर्ष देश के हजारों बेटे-बेटियां निश्चित ही भारी मन से अपनी मातृभूमि से दूर जाकर कहीं वैध तरीके से और कहीं अवैध तरीके से दूसरे देशों में धक्के भी खाते हैं, बस भी जाते हैं। जिनके बच्चों को वहां का स्थायी निवासी मान लिया जाता है, उनके माता-पिता बच्चों के वियोग की पीड़ा सहते हैं।

आज देश में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सिफारिश तंत्र से सताए देश के बच्चे हजारों मील पार ही अपना भविष्य सुरक्षित समझते हैं। राजनीति की दुकानें सजाने के लिए बहुत से राजनेता नशों के सौदागरों का संरक्षण करते हैं और यही नशे देश के बच्चों को दलदल में फंसाकर अपराधों की दुनिया में ले जाते हैं। आवश्यकता तो यह है कि आज की सरकारें भी महलों की दुनिया से बाहर निकलकर अपनी आंखों से अपने देश के लोगों की हालत को देखें। जिस देश के शासक कभी नशों की दलदल में फंसी नई पीढ़ी के नजदीक जाकर उनकी व्यथा को नहीं समझेंगे और नशा तस्करों को संरक्षण देंगे, वहां युवा पीढ़ी नशे से कैसे मुक्त हो सकेगी? कैसे भारत का वर्तमान और भविष्य बन सकेगी?

कुछ वर्ष पूर्व नशा तस्करों और नशेड़ियों को पकड़ने की मुहिम चलाई गई। हजारों लोग नशे बेचने का आरोप लगाकर जेलों में धकेल दिए गए। प्रतिदिन नशेड़ियों को पकड़ने का एक निश्चित कोटा भी दिया गया, फलतः वे लोग भी कानून के पंजे में जकड़े गए जिन्होंने कभी नशा खरीदा बेचा और खाया भी न था। चुनाव आने पर ऐसे मुद्दों की चिंता चुनावी समर के योद्धा करते हैं और सत्तासीन होते ही वादे भूल जाते हैं। विडंबना है कि जो देश के बच्चे पहली बार अपराध करते हैं उनको सुधारना, सही दिशा देना नेताओं का दायित्व नहीं बनता।

स्वतंत्र भारत में आचार्य विनोबा और जय प्रकाश नारायण ने बड़े डाकुओं को भी आत्मसमर्पण करवाकर डाकू समस्या का हल करने में सहयोग दिया था। मगर आज की राजनीति समस्या पैदा करने और उसके नाम पर वोट लेने की है, सुलझाने की नहीं। अफसोस है कि देश की राजनीति से कोई आशा की किरण दिखाई नहीं दे रही। देश के बुद्धिजीवियों और जो सचमुच दूसरों की पीड़ा समझने वाले संत और गांधीजी की परिभाषा के अनुसार वैष्णव जन हैं उन्हें ही यह अभियान संभालना है, कि देश की जवानी को भ्रष्टाचार, अनाचार, सिफारिश तंत्र से बचाया जाये।?ताकि भारत के बेटे-बेटियां भारत में ही विश्वास के साथ रह सकें। वैध-अवैध तरीकों से विदेश जाने की होड़ में न लगें। शिक्षा और धन प्राप्ति के लिए विदेश जाने की चर्चा हमारे ग्रंथों में है, पर जो यह कहकर जाएगा कि वह भ्रष्ट-सिफारिश तंत्र से दुखी होकर जा रहा है, वह यहां कैसे आएगा? वे कैसे गाएंगे—ए मेरे प्यारे वतन तेरे दामन से जो आएं उन हवाओं को सलाम।

कबीर जयन्ती पर विशेष

सांच ही कहत और सांच ही गहत है !

गिरीश्वर मिश्र

आज जब सत्य और अस्तित्व के प्रश्न नित्य नए-नए विमर्शों में उलझते जा रहे हैं और जीवन की परिस्थितियाँ विषम होती जा रही हैं सत्य की पैमाइश और भी जरूरी हो गई है। यह इसलिए भी जरूरी है कि अब 'सबके सच' की जगह किसका सच और किसलिए सच के प्रश्न ज्यादा निर्णायक होते जा रहे हैं। इनके विचार सत्ता, शक्ति और वर्चस्व के सापेक्ष हो गए हैं। इनके बीच सत्य अब कई-कई पर्तों के बीच ज़िंदा (या दफ़्न !) रहने लगा है और उस तक पहुँचना असंभव संभावना होती जा रही है। शायद अब के यथार्थप्रिय युग में सत्य होता नहीं है सिर्फउसका विचार ही हमारी पहुँच के भीतर रहता है। सत्य की यह मुश्किल किसी न किसी रूप में पहले भी थी जब तुलनात्मक दृष्टि से सत्य-रचना पर उतान्र दबाव न थे जितने आज हैं। सत्य के लिए साहस की जरूरत के दौर में कबीर का स्मरण आश्वस्ति देने वाला है। आज से लगभग छह सौ साल पहले के जन कवि और संत कबीरदास समय के अंतर्विरोधों को महसूस करते हुए एक कठिन राह अपनाने का साहस दिखलाया था। क्योंकि दुनियादारी में व्यस्त सब लोग तो आगा-पीछा देखे बगैर बेखबर खाते-पीते मस्त रहते हैं पर चैतन्य की आहट पाने वाले कबीर के हिस्से जागना और दुखी होना ही आता है : सुखिया सब संसार है खाए और सोवे, दुखिया दास कबीर है जागे और रोवे।

अपने समय का पर्यालोचन करते हुए कबीर प्रश्न उठाते हैं। विवेक, प्रेम तथा आध्यात्म की त्रिवेणी बहाते हुए सारी सीमाओं को तोड़ते हुए सत्य की तलाश में अपने समय का अतिक्रमण करते हैं। भक्त, कवि और समाज-सुधारक की भूमिकाओं से निर्मित कबीर को पकड़ना और समझना मुश्किल चुनौती होती है। वे सगुण का निषेध करते हुए पर सहृदय सम्प्रेषणीयता के साथ मनुष्य की मुक्ति का आह्वान करते हैं। इसके लिए संवाद करने में वे लोक जीवन के बिम्बों का खूब उपयोग करते हैं- लुहार, धोबी, बधाई, कुम्हार, भिखारी आदि के जीवन के सन्दर्भ उनकी कविता में भरे पड़े हैं। धर्मों से परे और कुरीतियों के विरुद्ध और भाषा, जाति, शिक्षा आदि के भेदों को ढहाते, पाखंडों को अनावृत करते हुए वे जीवन-मूल्यों की कसौटी पर साधु मत को स्थापित करते हैं। जिसका आधार वाक्य (या सीधी शर्त) है 'हरि को भजे सो हरि का होई।'

आडम्बरहीन और क्रांतिकारी दृष्टि वाले कबीर सबसे ग्रहण करने वाले विद्यार्थी भी हैं और गहन स्थापना करने वाले गुरु भी। वे हद और बेहद दोनों को पार करते चलते हैं। सांसारिक ढकोसलों की निःसारता देख कबीर सहज की ओर आकृष्ट होते हैं : संतो सहज समाधि भली है। आजकल की भाषा में कहें तो वे गैर साम्प्रदायिक सहिष्णुता के पक्षधर हैं। यद्यपि कबीर के कई तरह के पाठ होते रहे हैं पर उनका एक प्रमुख सरोकार या ध्येय आध्यात्मिक लोक-जागरण लाना प्रतीत होता है, जिसमें उनका कवि एक भक्त के हृदय और एक तार्किक के दिमाग के साथ संवाद करता चलता है। उनकी सर्जनामकता अनेक स्तरों पर प्रचलित मतान्धता से टकराती चलती है। वे ज्ञान के तीव्र वेग से सभी भ्रमों को तोड़ने को तत्पर दिखते हैं : संतों आई ज्ञान की आंधी रे , भ्रम की टाटी सबै उड़ानी माया रही न बांधी रे।

फक्कड़ कबीर स्वभाव में आंतरिक बदलाव को संभव तो मानते हैं पर नकली और ऊपर से सिर्फ दिखावटी बदलाव उनको तनिक भी पसंद नहीं। वे पूछताछ करते हैं, भेद लेते हैं और सफ़ाई भी माँगते हैं। मृत्यु तय है, आसन्न है फ़िर झूठ-फ़रेब के आश्रय की क्या जरूरत है ? मन रे तन कागद का पुतरा, लागे बूंद बिनसि जाई छिन में गर्व करे क्या इतरा। वे बखूबी जानते हैं कि यह शरीर नश्वर है : साधो यह तन ठाठ तम्बूरे का। तभी वह कहते हैं कि ऐसे हाल में ऊपरी बदलाव किसी काम का नहीं : मन न रंगाए रंगाए जोगी कपड़ा दढिया बढाए जोगी बन गैले बकरा। वे बड़े निःसंग भाव से इस जगत को कागज़ की पुड़िया मानते हैं। कबीर में इस छल-प्रपंच वाले जगत से मुक्ति की इच्छा प्रबल है- 'रहना नहीं देस बिराना है', 'उड़ि जाएगा हंस अकेला', 'अवधूता जनम जनम हम योगी' या फ़िर 'रेन गई मत दिन भी जाय' -जैसे पद जीव की मुक्ति की छटपटाहट को ही दर्शाते हैं। उनको पता है कि 'माया महा ठगिनी' है और तरह-तरह से मुग्ध करती रहती है।

अंतर्यात्रा की तड़प के बीच कबीर को स्मरण है कि सृष्टि में मनुष्य जीवन से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। इसलिए विवेक-बुद्धि के बिना कुछ करने से जीवन में मिला अवसर व्यर्थ हो जायगा : मानुष तन पायो बड़ भाग अब बिचारि के खेलो फ़ाग । इसलिए सतर्कता और सजगता के साथ जीना जरूरी है। मन ते जागत रहिए भाई !

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पॉलिसीबाजार ने बताया, बीमा ब्रोकिंग कारोबार की शुरुआत की

नई दिल्ली। बीमा क्षेत्र के प्रमुख वेब एग्रीगेटर पॉलिसीबाजार ने कहा कि उसने 15 खुदरा स्टोर खोलने के साथ बीमा ब्रोकिंग कारोबार की शुरुआत की हैं, इसके साथ ही इस 100 स्थानों तक बढ़ाने का लक्ष्य है। बीमा नियामक इरडा ने हाल में पॉलिसीबाजार के बीमा ब्रोकिंग लाइसेंस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कंपनी अब बीमा एग्रीगेटर को भी बीमा ब्रोकिंग के तहत लाकर कारोबार का एकीकरण करेगी। साथ ही कंपनी ने अपना वेब एग्रीगेटर लाइसेंस भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) को सौंप दिया। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम ने कहा कि कंपनी तेजी से बढ़ते छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए व्यापक योजनाएं शुरू कर रही है ताकि ग्राहकों को ऑफलाइन उपस्थिति से बेहतर सेवा मिल सके। कंपनी ने बताया कि इसके तहत पहले चरण में पूरे भारत में 15 ऑफलाइन रिटेल स्टोर स्थापित किए गए हैं, भविष्य में इन्हें बढ़ाकर 100 करने की योजना है।

ब्रोकरेज फर्म का अनुमान, भारत में मुद्रास्फीति की दर चालू वित्त वर्ष में पांच प्रतिशत रह सकती

मुंबई । ब्रोकरेज फर्म यूबीएस सिक्योरिटीज ने चेतावनी दी है, कि भारत में मुद्रास्फीति की दर चालू वित्त वर्ष के दौरान औसतन पांच प्रतिशत रह सकती है, हालांकि इसके और अधिक रहने के जोखिम भी हैं। गौरतलब है कि मई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बढ़कर 6.3 प्रतिशत और थोक मुद्रास्फीति 12.94 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। खाद्य तेलों और प्रोटीन आधारित उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते खुदरा मुद्रास्फीति छह महीने के उच्च स्तर 6.3 प्रतिशत पर पहुंची , जो रिजर्व बैंक द्वारा तय 4-6 प्रतिशत के दायरे से अधिक है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भी महंगाई के मोर्चे पर दबाव बना हुआ है। यूबीएस सिक्योरिटीज की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने कहा, सीपीआई मुद्रास्फीति आरबीआई के चार प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से ऊपर है और वित्त वर्ष 2021-22 में औसतन पांच प्रतिशत होगी।'' उन्होंने उम्मीद जाहिर कि मानसून के दौरान फलों और सब्जियों की कीमतों में मौसमी बढ़ोतरी से निकट अवधि में सीपीआई प्रभावित होगी। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया कि भारत बड़ी मात्रा में आयात होने खाद्य तेलों को छोड़कर बाकी खाद्य उत्पादन में काफी हद तक आत्मनिर्भर है।

कंपनी दक्षता बढ़ाने के लिए अपने वितरण नेटवर्क और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण कर रही

मुंबई। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी दक्षता बढ़ाने के लिए अपने वितरण नेटवर्क और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण कर रही है।उन्होंने कहा कि साथ ही चैनल भागीदारों के डिजिटलीकरण पर भी काम कर रहे हैं, ताकि अपने विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर एफएमसीजी क्षेत्र में एक मजबूत खिलाड़ी बना सके। चंद्रशेखरन, टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के अध्यक्ष भी हैं, ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टीसीपीएल अगले सप्ताह सीधे उपभोक्ताओं को की जाने वाले पेशकश (डीटीसी मॉडल) के तहत अमेरिकी मूल की गुर्मे कॉफी 'एट ऑ'क्लॉक लांच करेगी। उन्होंने कहा, कंपनी के पोर्टफोलियो में अब चाय, कॉफी, पानी, नमक, दालें, मसाले, फटाफट तैयार होने वाले भोजन, स्नैक्स शामिल हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि इस विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर वृद्धि के अगले स्तर को पाने के लिए टीसीपीएल अब दक्षता बढ़ाने पर जोर देगी और इसके लिए वितरण नेटवर्क और आपूर्ति श्रृंखला को एकीकृत किया जा रहा है।

शेयर बाजार नये उच्च स्तर पर पहुंचा

सेंसेक्स 52,925.04 , निफ्टी 15,850 पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बड़ी कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 226.04 अंक करीब 0.43 फीसदी बढ़कर 52,925.04 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 69.90 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी ऊपर आकर 15,860.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा लाभ में टाटा स्टील रही। इसके शेयर 4 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एल एंड टी और मारुति के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, एचयूएल, टाइटन और एशियन पेंट्स सहित अन्य कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। इससे पहले सुबह वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों की आवक जारी रहने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी सकारात्मक रुख के साथ खुले। इस दौरान सूचकांक 65.90 अंक बढ़कर 52,764.90 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 32 अंक बढ़कर 15,822.45 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक तीन फीसदी की तेजी टाटा स्टील में रही। इसके अलावा मारुति, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, एक्सिस बैंक और एसबीआई में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचयूएल, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक और नेस्ले इंडिया में गिरावट देखने को मिली।

सोने में गिरावट, चांदी 332 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने में गिरावट आई है जबकि चांदी 332 रुपये ऊपर आयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 66 रुपये की हल्की गिरावट के साथ 46,309 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इससे पहले सोना 46,375 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 66 रुपये घटकर बंद हुआ। वहीं चांदी की कीमत 332 रुपये की तेजी के साथ 67,248 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले गुरुवार का बंद भाव 66,916 रुपये रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी का भाव मामूली तेजी के साथ 1,782 डॉलर प्रति औंस और 26.17 डॉलर प्रति औंस चल रहा था।

ओएनजीसी ने चौथी तिमाही में 6,734 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने कहा कि 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान तेल की ऊंची कीमतों और अन्य आय के कारण उसका शुद्ध लाभ 6,734 करोड़ रुपये रहा। ओएनजीसी के अनुसार जनवरी-मार्च 2020 में कंपनी को 3,214.41 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। ओएनजीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुभाष कुमार ने कहा कि कंपनी को जनवरी-मार्च में उत्पादित और बिके कच्चे तेल के प्रत्येक बैरल के लिए 58.05 अमेरिकी डॉलर का मूल्य मिला, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 49.01 अमेरिकी डॉलर था। इसके अलावा कंपनी ने आलोच्य तिमाही में 2,613 करोड़ रुपये का अन्य लाभ दर्ज करते हुए नुकसान के रुझान को पलट दिया। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी है। कुमार ने कहा कि महामारी के कारण हुए व्यवधान के कारण बीते वर्ष ओएनजीसी का कच्चे तेल का उत्पादन 3.5 प्रतिशत घटकर 225.3 लाख टन रहा। इस तरह गैस उत्पादन भी 8.4 प्रतिशत घटकर 22.81 अरब घन मीटर (बीसीएम) रहा। उन्होंने कहा कि चालू वर्ष के लिए कंपनी ने 225.6 लाख टन कच्चे तेल के उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वर्ष के समान ही है, हालांकि इस दौरान गैस उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती है।

सीतारमण ने अमेरिकी निवेशकों को भारत में निवेश के अवसर को लेकर दिया आमंत्रण

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित वैश्विक निवेशक गोलमेज सम्मेलन के दौरान सरकार द्वारा किए गए सुधार उपायों के आधार पर भारत में विकास और निवेश के अवसरों पर चर्चा की। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित गोलमेज में मास्टरकार्ड, मेटलाइफ, प्रूडेंशियल, एयर प्रोडक्ट्स, डेल, सॉफ्टबैंक और वारबर्ग पिंकस सहित कुछ सबसे बड़े विदेशी निवेशकों की भागीदारी देखी गई। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम ने निवेशकों को केंद्रीय वित्त मंत्री और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संभावित निवेश के अवसरों पर चर्चा करने और चल रहे नीतिगत सुधारों की भूमिका पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान किया, जो भारत में अधिक आसानी से व्यापार करने में सक्षम होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि मैक्रो-इकनॉमिक स्टेबिलिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाले आर्थिक विकास के अवसर, वित्तीय क्षेत्र में सुधार और वैश्विक आपूर्ति में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थिति कुछ ऐसे तरीके हैं जिनसे भारत वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है। निवेशकों को दिए गए व्यापक संदेशों में रोज कोविड मामलों में महत्वपूर्ण गिरावट और महामारी के समय में सरकार द्वारा किए गए मजबूत राहत और सुधार शामिल हैं। मंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि हाल के महीनों में आर्थिक सुधार में निरंतर मैक्रो-आर्थिक स्थिरता और लचीलापन और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि है। अपनी समापन टिप्पणी में, सीतारमण ने एक आत्मनिर्भर आधुनिक भारत के निर्माण के लिए एक समग्र दृष्टि के साथ आगे बढ़ने की बात कही, जो कि - इंटेंट, इंक्लूजन, इन्वेस्टमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन द्वारा संचालित है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश अमेरिकी निवेशकों के साथ दीर्घकालिक संबंध के लिए प्रतिबद्ध है और साल में दो बार मिलने का प्रस्ताव रखता है।

अब सोलर पावर सेक्टर में अडानी और टाटा से मुकाबले करेगी रिलायंस!

- रिलायंस ने सोलर पावर में 75 हजार करोड़ निवेश का किया ऐलान

नई दिल्ली।

देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह ने जिस तरह से टेलीकॉम कारोबार को बदलकर रख दिया है, उसी तरह से अब वह न्यू एनर्जी बिजनेस में हलचल मचाने की तैयारी कर रहा है। खासकर सोलर पावर सेक्टर में रिलायंस ने टाटा और अडानी समूह को चुनौती देने की तैयारी कर ली है। रिलायंस ने अगले तीन साल में सोलर पावर उत्पादन में 75,000 करोड़ रुपये के निवेश का ऐलान किया है, जिससे इस कारोबार का पूरा परिदृश्य बदल सकता है और इसमें जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होगी। अभी तक अडानी ग्रीन एनर्जी और टाटा पावर कंपनी के लिए नए प्रोजेक्ट हासिल करना और नई टेक्नोलॉजी हासिल करना काफी आसान रहा है। अंबानी गुजरात के जामनगर में 'गीगा' कारखाने बनाना चाहते हैं, जहां सोलर फोटो वोल्टेइक सेल्स, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी और फ्यूल सेल का निर्माण किया जाएगा। इनमें करीब 60,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। गुरुवार को रिलायंस की 44वीं सालाना महासभा में मुकेश अंबानी ने इसका ऐलान किया। इन कारखानों की मदद से रिलायंस ने 100 गीगावॉट सौर उर्जा के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, 'हम बाकी 15,000 करोड़ रुपये का निवेश वैल्यू चेन, पार्टनरशिप और फ्यूचर टेक्नोलॉजी में करेंगे।' देश में सोलर एनर्जी की लोकप्रियता बढ़ रही है, क्योंकि यह बिजली का साफ-सुथरा और सस्ता स्रोत है लेकिन बड़े कॉरपोरेट घरानों की इसमें रुचि एक दूसरे वजह से भी बढ़ रही है। बड़ी कंपनियां सोलर पावर उत्पादन के द्वारा कार्बन क्रेडिट हासिल करना चाहती हैं, ताकि वे कार्बन फुटप्रिंट की भरपाई कर सकें। रिलायंस का भी लक्ष्य साल 2035 तक जीरो कार्बन कंपनी का तमगा हासिल करना है। हालांकि रिलायंस का इस फील्ड में उतरना पूरे कारोबार को बदलकर रख देगा। टाटा पावर फिलहाल 1705 मेगावॉट का सोलर पावर का उत्पादन करती है। टाटा पावर की सब्सिडियरी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने हाल में बेंगलुरु के अपने कारखाने के विस्तार का ऐलान किया है जिसके बाद यहां सेल और मॉड्यूल के पूरे उत्पादन की क्षमता 1,100 हो जाएगी।अडानी ग्रीन की फिलहाल 3023 मेगावॉट सोलर यूनिट उत्पादन की क्षमता है और यह 8,150 मेगावॉट क्षमता कारखानों के निर्माण में लगी है।

अशोक लेलैंड का मुनाफा छह गुना बढ़कर 377 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। कंपनी अशोक लेलैंड ने कहा कि 31 मार्च 2021 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान उसका समेकित कर पश्चात मुनाफा (पीएटी) छह गुना से अधिक बढ़कर 377 करोड़ रुपये हो गया। वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही में 58 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया था। अशोक लेलैंड ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान समेकित आय 8,142 करोड़ रुपये रही, जबकि इससे एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 5,088 करोड़ रुपये था। अशोक लेलैंड ने कहा कि उसने अपने स्थिरता एजेंडे के लिए एक पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक एन वी बालाचंदर करने वाले है।

रेगिस्तान में लगे खजूर के पेड़ किसानों को कर रहे मालामाल

जोधपुर।

केन्द्र सरकार के इन प्रयासों के बीच राजस्थान के रेगिस्तान में किसानों को एक नई सौगात मिली है। रेगिस्तान में लगे खजूर के पेड़ अब किसानों को मालामाल कर रहे हैं। चार साल पहले जोधपुर के काजरी की ओर से शुरू की गई मेहनत अब रंग लाने लगी है। इस साल खजूर की एडीपी-1 किस्म से पिछले साल की तुलना में दुगना उत्पादन हुआ है। पिछले साल 150 पौधे से 1500 किलो खजूर उत्पादन हुए थे। वो इस साल बढ़कर तीन हजार किलो हो गया है। केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुशंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने बताया कि वह दिन दूर नहीं जब खजूर से रेगिस्तान के किसानों की आय चार से पांच गुना बढ़ जाएगी। दरसअल गुजरात के कच्छ क्षेत्र को खजूर का हब माना जाता है. लेकिन 2014 में जोधपुर के काजरी संस्थान ने गुजरात से 150 पौधे लाकर अपने यहां लगाये थे। गुजरात की आंणद यूनिवर्सिटी और बीकानेर शुष्क बागवानी संस्थान के साथ मिलकर काजरी टिश्यू कल्चर की तकनीक से खजूर का उत्पादन शुरू किया। चार साल की मेहनत से काजरी में इन पेड़ों पर खजूर के बड़े बडे गुच्छे लटक रहे हैं। काजरी के एक व रिष्ठ वैज्ञानिक बताते हैं कि पश्चिमी राजस्थान में किसान पहले बाजरी, मूंगफली और जीरा जैसी कुछ ही किस्म की खेती किया करते थे, लेकिन काजरी की ओर से किसानों को खजूर की तकनीक देने के बाद अब किसान इससे लाखों रुपए कमा रहे हैं। अखत सिंह के अनुसार एडीपी-1 से भरपूर उत्पादन हुआ है लेकिन सीरियन वैरायटी से अभी अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। मारवाड़ के जोधपुर की जलवायु में इस किस्म ने कमाल कर दिया है। काजरी के बेर के बाद काजरी की खजूर भी देशभर में मशहूर होते जा रहे हैं। यह काजरी की दूसरी बड़ी सफलता है।

एनएसडीसी और व्हाट्सऐप ने डिजिटल स्किल चैंपियंस कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और व्हाट्सऐप ने व्हाट्सऐप का डिजिटल स्किल चैंपियंस कार्यक्रम शुरू किया जिसका उद्देश्य भारतीय युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने के लिए डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण देना है। यह साझेदारी सहयोग के दो वृहद क्षेत्रों को चिह्नित करती है व्हाट्सऐप डिजिटल स्किल्स एकेडमी, और प्रधानमंत्री कौशल केंद्र (पीएमकेके) एवं व्हाट्सऐप बिजनेस ऐप प्रशिक्षण। इस कार्यक्रम के जरिए स्कूल और विश्वविद्यालयों के छात्रों को डिजिटल एवं ऑनलाइन कौशल हासिल करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर उन्हें व्हाट्सऐप और एनएसडीसी 'डिजिटल स्किल चैंपियन' प्रमाणपत्र देंगे। यह पाठ्यक्रम एक मॉड्यूल प्रारुप पर आधारित है। इसके तहत देश के तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों के शिक्षा परिसरों में छात्रों को कौशल प्रदान किया जाएग। इन शहरों के युवाओं को डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन निजता के महत्वपूर्ण पहलुओं के लिहाज से प्रशिक्षण दिया जाएगा। व्हाट्सऐप इंडिया के निदेशक श्रीवंत ठुकराल ने कहा कि कंपनी घनी आबादी वाले क्षेत्रों में शिक्षा एवं वित्तीय सेवाओं जैसे विभिन्न समाधान पेश करने के लिए एक विश्वस्त डिजिटल सहयोगी बनना चाहती है।

स्पाइसजेट से 999 में करें हवाई सफर

30 जून तक सेल के तहत की जा सकती है टिकट बुकिंग

मुंबई।

घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट ने मेगा मॉनसून सेल का आयोजन किया गया है। इस सेल की शुरुआत 25 जून से हुई है और यह 30 जून तक रहेगी। सेल के तहत डोमेस्टिक एयर किराया महज 999 रुपए से शुरू हो रहा है। सेल के दौरान बुक की गई टिकट पर 1 अगस्त 2021 से 31 मार्च 2022 तक यात्रा की जा सकती है। इस सेल के तहत केवल वन-वे टिकट बुकिंग की जा सकती है। इसका फायदा केवल डायरेक्ट डोमेस्टिक फ्लाइट पर मिलेगा। टिकट बुकिंग के दौरान आपको फ्री फ्लाइट वाउचर भी मिलेगा जो 1000 रुपए तक का होगा। यह बुकिंग टिकट का बेस अमाउंट के बराबर होगा।

इसका फायदा 1 अगस्त 2021 के बाद उठाया जा सकता है। 1000 रुपए तक का मिलने वाले निशुल्क उड़ान वाउचर की बुकिंग की अवधि 1 जुलाई से 31 जुलाई 2021 के बीच है। इस टिकट पर 1 अगस्त से 31 मार्च 2021 तक यात्रा की जा सकती है। इसके अलावा अपनी पसंद की सीट महज 149 रुपए में बुक कर सकते हैं। इसके अलावा स्पाइसमैक्स सुविधा का लाभ महज 799 रुपए में उठाया जा सकता है। इसके तहत विमान यात्री को अतिरिक्त लेगरूम, प्रॉयरिटी सर्विस, मील्स, ब्रेवरेज का लाभ मिलता है। इस सेल का फायदा किसी भी प्लैटफॉर्म की मदद से टिकट बुकिंग पर मिलेगा। इसका फायदा ग्रुप बुकिंग और दूसरे किसी ऑफर के साथ नहीं उठाया जा सकता है। टिकट बुकिंग के बावजूद इसे कैंसिल किया जा सकता है। किसी भी यात्री को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इस सेल का फायदा मिलेगा। हैदराबाद-बेलागम, बेलागम-हैदराबाद, चेन्नई-हैदराबाद, चेन्नई-बेंगलुरू जैसे रूट का किराया 999 रुपए से शुरू हो रहा है।

बीमा कंपनियों ने जून तक 15.39 लाख कोविड बीमा दावों का निपटारा किया

मुंबई ।

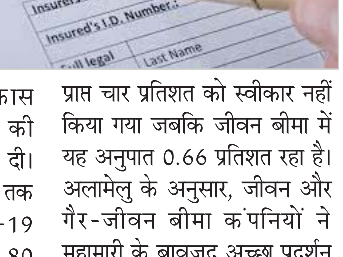

बीमा कंपनियों ने 22 जून तक देशभर में 15,000 हजार करोड़ के 15.39 लाख कोविड-19 स्वास्थ्य बीमा दावों का निपटारा किया है। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) की एक सदस्य ने यह जानकारी दी। बीमा कंपनियों को इस अवधि तक कुल 19.11 लाख कोविड-19 बीमा दावे प्राप्त हुए, जिसमें से 80 प्रतिशत दावों का निपटान कर दिया गया हैं। आईआरडीएआई की सदस्य टीएल अलामेलु ने कहा कि देशभर में 22 जून तक प्राप्त हुए 19,11,384 कोविड संबंधी बीमा दावों में से करीब 15 हजार करोड़ रुपये दावे के 15,39,434 दावों का निपटान कर दिया गया है। यह दर्शाता है कि अस्पताल में भर्ती और चिकित्सा बीमा वाले 80 प्रतिशत बीमा दावों का निपटारा कर दिया गया है। एसोचैम द्वारा आयोजित 13वें वैश्विक बीमा ई-शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि जहां तक मृत्यु दावों का संबंध है, लगभग 55,276 दावे प्राप्त हुए हैं। जिसमें से करीब 88 प्रतिशत यानी 48,484 दावों के तहत 3,593 करोड़ रुपए का निपटान पहले ही किया जा चुका है। अलामेलु ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा के लिए प्राप्त चार प्रतिशत को स्वीकार नहीं किया गया जबकि जीवन बीमा में यह अनुपात 0.66 प्रतिशत रहा है। अलामेलु के अनुसार, जीवन और गैर-जीवन बीमा कंपनियों ने महामारी के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ष 2020-21 में क्षेत्र ने करीब 9 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि इस साल अप्रैल और मई में उद्योग ने करीब सात फीसदी की वृद्धि दर्ज की है और अगले पांच वर्ष तक उद्योग आसानी से 40-50 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। चीजें यदि सामान्य हो जातीं हैं तो यह उच्च वृद्धि हासिल होगी और यदि परेशानी बनी रहती है तब भी यह उद्योग 25- 30 प्रतिशत तक वृद्धि हासिल हो सकेगी। वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव सौरभ मिश्रा ने कहा कि गैर जीवन बीमा के साथ साथ जीवन बीमा कारोबार की वृद्धि में भी डिजिटलीकरण का काफी योगदान रहा है। वितरण से लेकर बिक्री और उसके बाद की तमाम गतिविधियों में डिजिटलीकरण का योगदान रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेनिस : मेदवेदेव मालोर्का ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

मालोर्का।

विश्व के नंबर-2 खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने कैस्पर रुड को हराकर यहां चल रहे मालोर्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।मेदवेदेव ने रुड को लगातार सेटों में 7-5, 6-1 से हराया। रूस के मेदवेदेव को हाले ओपन के पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा था। मेदवेदेव ने मैच के बाद कहा, यह एक मजेदार मैच था। शायद यह उच्च स्तर का मुकाबला नहीं था लेकिन मैं जीत हासिल कर खुश हूं। मैं अब फाइनल के लिए उत्सुक हूं। मेदवेदेव का फाइनल में सामना तीसरी सीड स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता से होगा। बुस्ता ने सेमीफाइनल में जॉर्डन थॉम्पसन को 6-4, 6-4 से हराया था।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया के युवा खिलाड़ियों ने शुरु की तैयारियां

जिम में अभ्यास करते नजर आये पडिक्कल, सकारिया सहित कई खिलाड़ी

नई दिल्ली ।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की कप्तानी में अगले महीने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर जाने वाले भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी के तहत ये खिलाड़ी जिम में जमकर अभ्यास करते नजर आये हैं। भारतीय टीम 28 जून को कोलंबो के लिए रवाना होगी। अभी इस टीम के सभी खिलाड़ी क्वारंटाइन से गुजर रहे हैं और जिम में पसीना बहाते हुए दिख रहे हैं। पहली बार भारत की ओर से खेलने जा रहे युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल, तेज गेंदबाज चेतन सकारिया, नितीश राणा, कृष्णप्पा गौतम और रुतुराज गायकवाड़ जिम में अभ्यास करते हुए दिखे। बीसीसीआई ने एक वीडियो जार कर इन खिलाड़ियों की तैयारियों को दिखाया है। इस वीडियो में पडिक्कल ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। क्वारंटाइन में हम अधिक से अधिक काम करने की कोशिश कर रहे हैं पर जिम में वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। पडिक्कल के ट्रेनिंग पार्टनर कृष्णप्पा गौतम ने कहा, हम दोनों कर्नाटक के लिए खेलते हैं और हम एक-दूसरे की कमजोरियों को जानते हैं। उनके साथ ट्रेनिंग करना मजेदार है। वहीं तेज गेंदबाज चेतन सकारिया ने कहा कि जिम में आने से उन्होंने अच्छा महसूस किया। इस तेज गेंदबाज ने कहा, मैंने कई बार आईने में अपने को दिखा क्योंकि मैंने भारतीय जर्सी पहनी हुई थी। पहली बार देश के लिए खेलने को लेकर उत्साहित और खुश हूं। हम अब क्वारंटाइन करने के हो गए आदी हैं। इसके विपरीत बल्लेबाज नीतीश राणा ने कहा कि क्वारंटाइन का समय बहुत ज्यादा हो गया है। एक बहुत लंबी प्रक्रिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज ने कहा कि मैं टीम के साथियों से मिलने का इंतजार कर रहा था और क्वारंटाइन में एक घंटा एक साल जैसा महसूस हुआ। बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी इस बात से खुश हैं कि वे देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं क्योंकि दोनों मौका मिलने पर अपना 100 फीसदी देने को तैयार हैं। भारतीय खिलाड़ी 4 जुलाई तक क्वारंटाइन में प्रशिक्षण से पहले कोलंबो में फिर से 3 दिनों के हार्ड क्वारंटाइन से गुजरेंगे। उसके बाद उन्हें कोलंबो में 13 जुलाई को सीरीज शुरू होने से पहले सामान्य रूप से प्रशिक्षण की अनुमति दी जाएगी। इस दौरे में तीन मैचों की वनडे और तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी।

लॉर्ड्स मेरे लिए हमेशा से ही खास मैदान रहा : गांगुली

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को आज भी अपना टेस्ट डेब्यू याद है। उन्होंने टेस्ट डेब्यू के 25 साल पूरे होने पर उस ऐतिहासिक पारी से जुड़ा एक किस्सा सुनाया, जिसने एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी पहचान को उभरा। गांगुली ने कहा कि लॉर्ड्स मेरे लिए हमेशा से ही खास मैदान रहा है। यहां से मेरी कई यादें जुड़ी हुईं हैं। बहुत कम लोगों को अपना पहला टेस्ट लॉर्ड्स में खेलने को मिलता है। मुझे आज भी याद है कि मैं पॉइंट पर फील्डिंग कर रहा था और पूरा स्टेडियम भरा था। मैं डेब्यू टेस्ट के बाद जब भी लॉर्ड्स गया हूं, तो मुझे हमेशा खास अहसास हुआ। उस टेस्ट में मुझे तीन नंबर पर बल्लेबाजी करनी थी। मैंने टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को अपना शतक पूरा किया, टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से लॉर्ड्स में सबसे शानदार दिन था क्योंकि पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। डेब्यू पर मैंने शतक लगाया था और मेरे लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था क्योंकि मुझे याद है कि हर शॉट पर लोग तालियां बजा रहे थे। चाय ब्रेक पर मैं 100 पूरा करके ड्रेसिंग रूम लौटा था। गांगुली ने इसके साथ ही बताया कि कैसे सचिन ने डेब्यू टेस्ट पर उनका टेंशन दूर किया था। गांगुली ने कहा कि मुझे याद है कि टी ब्रेक के दौरान मैं 100 पर खेल रहा था और शारीरिक से ज्यादा मानसिक रूप से थक गया था क्योंकि ये मेरा पहला शतक था और वो भी डेब्यू टेस्ट में। मैं बल्ले के हैंडल के चारों ओर टेप लगा रहा था क्योंकि उछाल भरी गेंदों के कारण वो नरम होना शुरू हो गया था। मुझे याद है कि सचिन मेरे पास आए और कहा, तुम आराम करो, चाय का प्याला लो, इससे मेरे पर बना दबाव एकदम से समाप्त हो गया।

अदिति महिला पीजीए चैम्पियनशिप में संयुक्त 39वें स्थान पर पहुंचीं

अनिर्बान से आगे निकलीं

जॉन क्रीक। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक पीजीए चैम्पियनशिप में संयुक्त 39वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। अदिति ने 17वें मेजर टूर्नामेंट केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप की शुरुआत में एक ओवर 73 के कार्ड के साथ संयुक्त 39वां स्थान हासिल किया है, अदिति अब किसी मेजर प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में जगह बनाने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने अच्छी शुरूआत की जिससे 12वें होल के बाद उनका स्कोर एक अंडर का था। वह हालंकि 13वें होल में डबल बोगी कर बैठी जिससे स्कोर एक ओवर का हो गया और वह 18वें होल तक बना रहा। अदिति से पहले अनिर्बान लाहिड़ी सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ी थे। वहीं लाहिड़ी ने यहां ट्रैवलर्स चैम्पियनशिप के शुरूआती दौर में इवन पार 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 76वें स्थान पर चल रहे हैं जबकि जापान के सातोशी कोडाइरा और क्रैमर हिकोक ने पीजीए टूर करियर का सर्वश्रेष्ठ 7 अंडर 63 का कार्ड खेला जिससे दोनों पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त बनाये हुए हैं।

एथलेटिक्स : भरतसिंह ने 10 हजार मीटर में जीता स्वर्ण

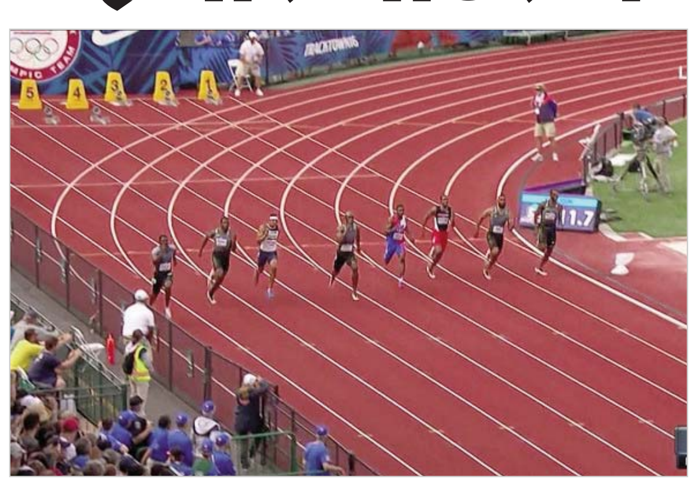

पटियाला।

मध्य प्रदेश के विक्रम भरतसिंह ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भरतसिंह ने 30 मिनट 16.44 सेकेंड का समय निकालकर सुबह के सत्र में 25 लैप की कठिन दौड़ जीत ली। हालांकि वह टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके।भरतसिंह की जीत का समय 30 मिनट 16.44 सेकेंड का था, जो टोक्यो ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय 27 मिनट 28 सेकेंड से धीमा था। उत्तर प्रदेश के कार्तिक कुमार ने 30 मिनट 25.79 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र के दिनेश ने 30 मिनट 50.74 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ सुबह के सत्र की दूसरी स्पर्धा थी, लेकिन उत्तर प्रदेश की धाविका पारुल चौधरी का 16 मिनट 04.7 सेकेंड का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय 15 मिनट 10 सेकेंड से कम रहा। महाराष्ट्र के कोमल चंद्रकांत जगदाले, जिन्होंने 5,000 मीटर के शुरूआती चरणों में पारुल के साथ संघर्ष किया, अंतिम 1000 मीटर में 16 मिनट 26.89 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। उत्तराखंड की अंकिता 16 मिनट 58.07 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी सीईओ एलार्डिस ने खिताबी जीत पर न्यूजीलैंड टीम को बधाई दी

उपविजेता भारतीय टीम को भी सराहा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यवाहक सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने साउथेम्प्टन के एजिस बाउल में खेले गये पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) खिताब को जीतने पर न्यूजीलैंड टीम को बधाई दी है। न्यूजीलैंड ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भारतीय टीम को आठ विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के लिए यह पहली बड़ी आईसीसी ट्रॉफी है। एलार्डिक ने आईसीसी की ओर से कहा कि मैं पहली विश्व टेस्ट चैंपियन टीम न्यूजीलैंड को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम बनने के लिए आवश्यक कौशल और स्वभाव का पूरा प्रदर्शन किया। उन्होंने साथ ही कहा, मैं उपविजेता रही भारतीय टीम को भी बधाई देना चाहता हूं, जिसने फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और इसे जीतने के करीब आए। दोनों टीमों ने अपनी गुणवत्ता दिखाई और यह टेस्ट क्रिकेट का एक उत्कृष्ट खेल था जो लंबे समय तक सबको याद रहेगा। दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों ने भी इस दौरान खेल भावना दिखाई इसके साथ ही टीमों के बीच आपसी सम्मान भी दिखा। एलार्डिस ने कहा, दो साल की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान कीवी कप्तान केन विलियमसन और भारतीय कप्तान विराट कोहल दोनों ने जीतने की प्रबल इच्छा दिखाई थी। पिछले 6 दिनों में स्पष्ट रूप से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी।

विंबलडन से हटीं सिमोना हालेप

लंदन। गत विजेता रोमानिया की सिमोना हालेप ने चोटिल होने के कारण शुक्रवार को विंबलडन से हटने का फैसला किया। विश्व की नंबर-3 खिलाड़ी सिमोना ने कहा, दुख के साथ मुझे बताना पड़ रहा है कि मैं इस साल विंबलडन में हिस्सा नहीं लूंगी क्योंकि मैं अभी तक चोट से पूरी तरह उभर नहीं सकी हूं। सिमोना ने 2019 में विंबलडन महिला एकल वर्ग का खिताब जीता था। विंबलडन का पिछला सीजन कोरोना के कारण रद्द कर दिया गया था। सिमोना को मई में इटालियन ओपन में दूसरे दौर के मैच के दौरान चोट लगी थी। इसके कारण उन्हें फ्रेंच ओपन से भी हटना पड़ा था। सिमोना ने कहा कि यह काफी चुनौतीपूर्ण पीरियड है। उन्होंने कहा, मैं ईमानदारी से कहती हूं कि मुझे यह फैसला लेने पर काफी दुख हुआ। यह पीरियड कठिन है और दो बड़े टूर्नामेंट मिस करना मानसिक और शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है।

कोच को भारी पड़ी कोपा अमेरिका टूर्नामेंट की आलोचना, लगा 5 हजार डॉलर का जुर्माना

साओ पाउलो ।

कोपा अमेरिका के आयोजन की आलोचना करना एक कोच को बहुत भारी पड़ गया। आलोचना करने पर कोच पर लाखों रुपए का जुर्माना लगाया गया। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ (कोनमेबोल) ने कोपा अमेरिका के आयोजन की निंदा करने वाले ब्राजील के कोच टिटे पर पांच हजार डॉलर यानी करीब साढ़े तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इससे एक सप्ताह पहले ही कोरोना महामारी के बीच टूर्नामेंट के आयोजन की आलोचना करने वाले बोलीविया के एक खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। टिटे ने 12 जून को कहा था कि अजीबोगरीब तरीके से कोपा अमेरिका ब्राजील में कराने का फैसला लिया गया है। टूर्नामेंट मूल रूप से कोलंबिया और अर्जेंटीना में होना था, लेकिन दोनों के पीछे हटने के बाद ऐन मौके पर ब्राजील को मेजबानी सौंपी गई। कोनमेबोल ने कहा कि दोबारा आयोजकों की निंदा करने पर टिटे को नई सजा मिल सकती है।

उरूग्वे और पराग्वे ने ग्रुप ए के मैच जीतकर कोपा अमेरिका फुटबॉल के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया। उरूग्वे ने बोलिविया को 2-0 से हराकर पहली जीत दर्ज की। वहीं पराग्वे ने चिली को इसी अंतर से हराया। अर्जेंटीना ग्रुप ए में सात अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि पराग्वे के छह अंक है। चिली के पांच और उरूग्वे के चार अंक है। बोलिविया खाता नहीं खोल सका।

उरूग्वे का खाता बोलिविया के गोलकीपर कार्लोस लाम्पे के आत्मघाती गोल से खुला, जो उन्होंने 40वें मिनट में किया। एडिंसन कावानी ने 79वें मिनट में दूसरा गोल दागा। दूसरे मैच में पराग्वे के लिये ब्राइयान सामुडियो ने 33वें मिनट में हेडर पर पहला गोल किया। इसके बाद मिगुल अलमिरोन ने 58वें मिनट में दूसरा गोल दागा। उरूग्वे और पराग्वे का सामना अंतिम 16 में सोमवार को होगा। विजेता टीम को क्वार्टर फाइनल में ब्राजील का सामना करना पड़ सकता है।

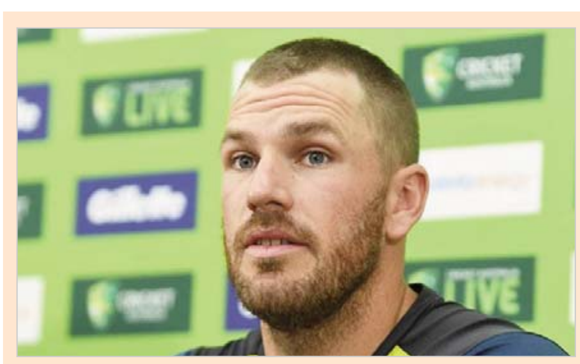

वेस्टइंडीज और बांग्लादेश दौरें पर नहीं जाने वालों को शायद ही टी20 विश्व कप में अवसर मिले : फिंच

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सीमत ओवरों के कप्तान आरोन फिंच ने कहा हे कि वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के आगामी दौरे पर नहीं जाने वाले खिलाड़ियों को शायद ही टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिले। इससे पहले सात अनुभवी शीर्ष खिलाड़ियों डेविड वॉर्नर, पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल, झाय रिचर्डसन, केन रिचर्डसन, मार्कस स्टोइनिस और डेनियल सैम्स ने अलग-अलग कारणों से वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के आगामी दौरे पर जाने वाली टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। वहीं स्टीव स्मिथ को फिट नहीं होने के कारण आराम दिया गया था। फिंच ने कहा कि आगामी दौरो से हटने वाले खिलाड़ियों के लिए अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप की टीम से बाहर होने का खतरा है क्योंकि इन दोनो दौरों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी भी दावेदार के तौर पर उभर जाएंगे। फिंच ने कहा, 'टी 20 विश्व कप को देखते हुए आप उन लोगों को चुनेंगे जो अच्छा खेल रहे हैं। इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ियों के पास टीम में जगह बनाने का अच्छा अवसर होगा।' उन्होंने कहा, 'अच्छे अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को नजरअंदाज करना संभव नहीं होगा।' फिंच ने इससे पहले आगामी दौरों से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर वे आईपीएल के बचे हुए मैचों में खेलते हैं तो उन्हें अपने दौरे से बाहर रहने का आधार बताना कठिन हो जाएगा।

ईशांत के हाथ में लगी चोट, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज तक फिट होने की उम्मीद

साउथम्पटन। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को के हाथ में चोट लगने के कारण उन्हें तीन टांके लगे हैं। ईशांत को यह चोट भारत के साथ खेले गये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में गेंद रोकने के दौरान लगी थी। राहत की बात यह है कि ईशांत के इंग्लैंड के खिलाफ बीच होने वाली टेस्ट सीरीज तक ठीक हो जाने की उम्मीद है। टीम इंडिया को 4 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। माना जा रहा है कि तब तक ईशांत की यह चोट पूरी तरह से ठीक हो जाएगी। ईशांत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेली गयी पहली पारी में तीन विकेट लिए थे, हालांकि दूसरी पारी में वह एक विकेट भी नहीं ले पाये थे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल न्यूजीलैंड ने आठ विकेट से जीता था। ईशांत ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ मिलकर पहली पारी में इंग्लैंड के सात बल्लेबाजों को आउट किया था, जबकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये थे।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भारतीय गेंदबाजों ने किया शर्मनाक प्रदर्शन : बिन्नी

नई दिल्ली ।

सन 1983 के विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रोजर बिन्नी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से असंतुष्ट हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की टीम के खिलाफ पहली पारी में की गई भारतीय गेंदबाजी को खराब और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज विकेट लेने में नाकाम रहे और स्टम्प्स पर न्यूजीलैंड ने दो विकेट के नुकसान पर 101 रन बना लिए थे। बिन्नी ने कहा कि रविवार को टेस्ट के तीसरे दिन भारतीयों को गेंदबाजी करते हुए देखना बेहद निराशाजनक था। इंग्लैंड में टेस्ट मैच में गेंदबाजी करने का यह सही तरीका नहीं था। यह वाकई शर्मनाक और अपमानजनक था।

उन्होने कहा कि आप साफ देख सकते हैं कि विरोधी टीम ने कैसे आपकी गलती का फायदा उठाया। यह किस तरह का प्रदर्शन था?। आप टेस्ट मैच खेल रहे थे। वो भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल। उसमें इस तरह की गेंदबाजी कैसे बर्दाश्त की जा सकती है। पूर्व ऑलराउंडर ने भारतीय गेंदबाजों को लताड़ लगाते हुए कहा जब आप गेंदबाजी करते हैं तो आपकी कोशिश बल्लेबाजों को ज्यादा से ज्यादा गेंद खिलाने की होनी चाहिए। हम अपने जोन में गेंदबाजी नहीं कर सकते। आप जितनी शॉर्ट गेंद फेंकते, उतनी ही सीम होने की संभावना थी। न्यूजीलैंड ने इसका पूरा इस्तेमाल किया। विकेट लेने के लिए आक्रामक गेंदबाजी करनी होती है और भारतीय गेंदबाजों में इसकी कमी साफ दिखी।उन्होंने कहा कि चौथे दिन जरूर भारत ने अच्छी गेंदबाजी की। मोहम्मद शमी ने 4 और इशांत शर्मा तीन विकेट लेने में सफल रहे। इसी वजह से न्यूजीलैंड पहली पारी में भारत पर 32 रन की ही बढ़त ले पाया। हालांकि, इस बढ़त को भी कम किया जा सकता था, अगर भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड के पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर देते, लेकिन ऐसा नहीं किया जा सका और न्यूजीलैंड के आखिरी पांच बल्लेबाजों ने 71 रन जोड़े जो अंत में भारत पर भारी पड़े। बिन्नी ने कहा मैच के ज्यादातर हिस्से में भारतीय गेंदबाज कीवी बल्लेबाजों को रन बनाने से रोकने के लिए गेंदबाजी कर रहे थे। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड में जैसी गेंदबाजी की, उसे देखकर मैं

काफी हैरान था। विपक्षी टीम ने आपको सीम गेंदबाजी से परेशान करके रख दिया। आपको सिर्फ उन्हें देखना था और उनकी तरह गेंदबाजी करनी थी। भारतीय गेंदबाज नए नहीं थे। आप ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैच देख रहे थे कि कैसे न्यूजीलैंड के गेंदबाज गेंद डाल रहे हैं। बिन्नी ने कहा आप ऐसे ही देखकर सीखते हैं, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने इस पर गौर नहीं किया।

शुभमन अपनी तकनीक पर ध्यान दें : मांजरेकर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अपनी तकनीक थोड़ी गहराई से काम करना होगा। शुभमन ने पिछले साल मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था पर इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप मुकाबले के दौरान वह दोनो पारियों में संघर्ष करते हुए दिखे। ऐसे में मांजरेकर का मानना है कि शुभमन को इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज से पहले अपने फुटवर्क पर और काम करना होगा। मांजरेकर ने कहा, उसे अपने फुटवर्क पर काम करना होगा जो कि सभी के लिए स्पष्ट है। गेंद को छोड़ना और वापस अंदर आना एक समस्या है। यह हमेशा फ्रंट फुट पर होता है। शुभमन को इस टेस्ट मैच के दौरान मैंने एक बार भी उन्हें वापस जाते हुए नहीं देखा। वह वास्तव में यह पक्का करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि वह आउट न हो। फिर से वह यह सुनिश्चित करने में लग गया कि फ्रंट पैड पार है और आउटस्विंगर के बारे में चिंतित है। मांजरेकर का मानना है कि शुभमन की तकनीक वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई हालातों के अनुकूल है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, यह उस तरह का फुटवर्क है जहां आप बल्लेबाजों से देखते हैं जब आप ऑस्ट्रेलिया में एडिलेड जैसे मैदान में खेल रहे होते हैं जहां गेंद जमीन के साथ ही जाती है। ऐसे में चाहे कुछ भी हो जाए आपको फ्रंट फुट पर आना होगा। मैं थोड़ा संशय में हूं कि क्या हर समय इंग्लैंड में फ्रंट फुट पर रहने का यह सही तरीका है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रभास ने ठुकराया करोड़ों का एड

जहां एक ओर कई कलाकर ऐसे हैं जो पैसे की खातिर गुटखा और शराब का विज्ञापन करने में भी नहीं हिचकते जिससे की उनके करोड़ों फ़ैंस के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है, वहीं बाहुबली प्रभास जैसे सुपरस्टार भी हैं जो करोड़ों के विज्ञापन को लात मारने में देर नहीं लगाते। भारत में प्रभास लोकप्रिय नाम है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक उनके फैंस हैं। ऐसे में विज्ञापन कंपनियां उन पर दांव लगाना चाहती हैं। उन्हें अपना ब्रैंड एम्बेसेडर बनाना चाहती हैं। खबर है कि पिछले एक साल में प्रभास को 150 करोड़ रुपए से ज्यादा के ब्रांड एंडोर्समेंट ऑफर मिले, लेकिन प्रभास ने सभी को रिजेक्ट कर दिया। इसके पीछे प्रभास का मानना है कि वे अपने फैंस के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। वे ऐसी किसी चीज का विज्ञापन नहीं करना चाहते जिसके इस्तेमाल में वे खुद कंफर्टेबल महसूस ना करते हों। ऐसा नहीं है कि वे विज्ञापन नहीं करेंगे। लेकिन उन्हीं वस्तुओं का विज्ञापन करेंगे जिसे वे पसंद करते हों। उन्हें पता है कि वे किसी चीज का विज्ञापन करेंगे तो उनके फैंस बिना सोचे समझे फौरन उसका इस्तेमाल शुरू कर देंगे।

करिश्मा कपूर ने जब किया था अपने पति के कारनामों का भंडाफोड़

करिश्मा कपूर की वैवाहिक जीवन बहुत खराब रहा। पति संजय कपूर से उनके रिश्ते इतने खराब हो गए कि करिश्मा ने उनके बारे में सार्वजनिक रूप से भला-बुरा कहा। इस रिश्ते को उन्होंने संभालने की बहुत कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिल पाई। आखिरकार तलाक लेकर उन्होंने इस रिश्ते से मुक्ति पाई। आइए जानते हैं तब उन्होंने अपने पति के बारे में क्या-क्या कहा था।

-करिश्मा के अनुसार उनके 4 महीने की बेटे के तबियत खराब थी, जिसके कारण वह पति के साथ यूके ट्रिप पर नहीं जा सकी। इससे संजय बेहद नाराज हुए और अकेले ही चले गए। बाद में करिश्मा यूके पहुंचीं तो संजय रात-रात भर गायब रहते थे। उन्हें अपने बेटे की तबियत से कोई लेना-देना नहीं था। उनके लिए गोल्फ खेलना ज्यादा महत्वपूर्ण था।

-हनीमून के दौरान ही करिश्मा के सामने संजय अपने भाई के साथ यह चर्चा कर रहे थे कि करिश्मा कितने पैसे ला सकती हैं। इससे करिश्मा चकित रह गईं।

-एक बार संजय ने करिश्मा से अपनी मां द्वारा दी गई ड्रेस पहनने को कहा। चूंकि करिश्मा प्रेग्नेंट थीं इसलिए वह ड्रेस उन्हें फिट नहीं हो रही थी। यह देख संजय बेहद नाराज हो गए। उन्होंने अपनी मां को करिश्मा को थप्पड़ लगाने के लिए कहा।

-संजय अक्सर करिश्मा से दुर्व्यवहार करते थे। मारपीट भी करते थे। चोट के निशान करिश्मा मेकअप के सहारे छिपाती थी। संजय की मां की इसमें मौन स्वीकृति थी।

-करिश्मा के अनुसार वे अपने पति के लिए महज एक ट्रॉफी थीं और यह शादी उनके लिए ट्रॉफी जीतने समान था।

-शादी के पहले भी संजय ने करिश्मा की मां बबीता से बदतमीजी की? थी। इससे करिश्मा ने शादी नहीं करने का निर्णय ले लिया था, लेकिन बाद में उन्हें मना लिया गया।

-रणधीर कपूर इस शादी से कभी खुश नहीं थे। रणधीर के अनुसार उनका दामाद कितना अय्याश है ये बात पूरी दिल्ली जानती है।

शाहरुख खान अपने खास दिन कर रहे हैं पठान की शूटिंग

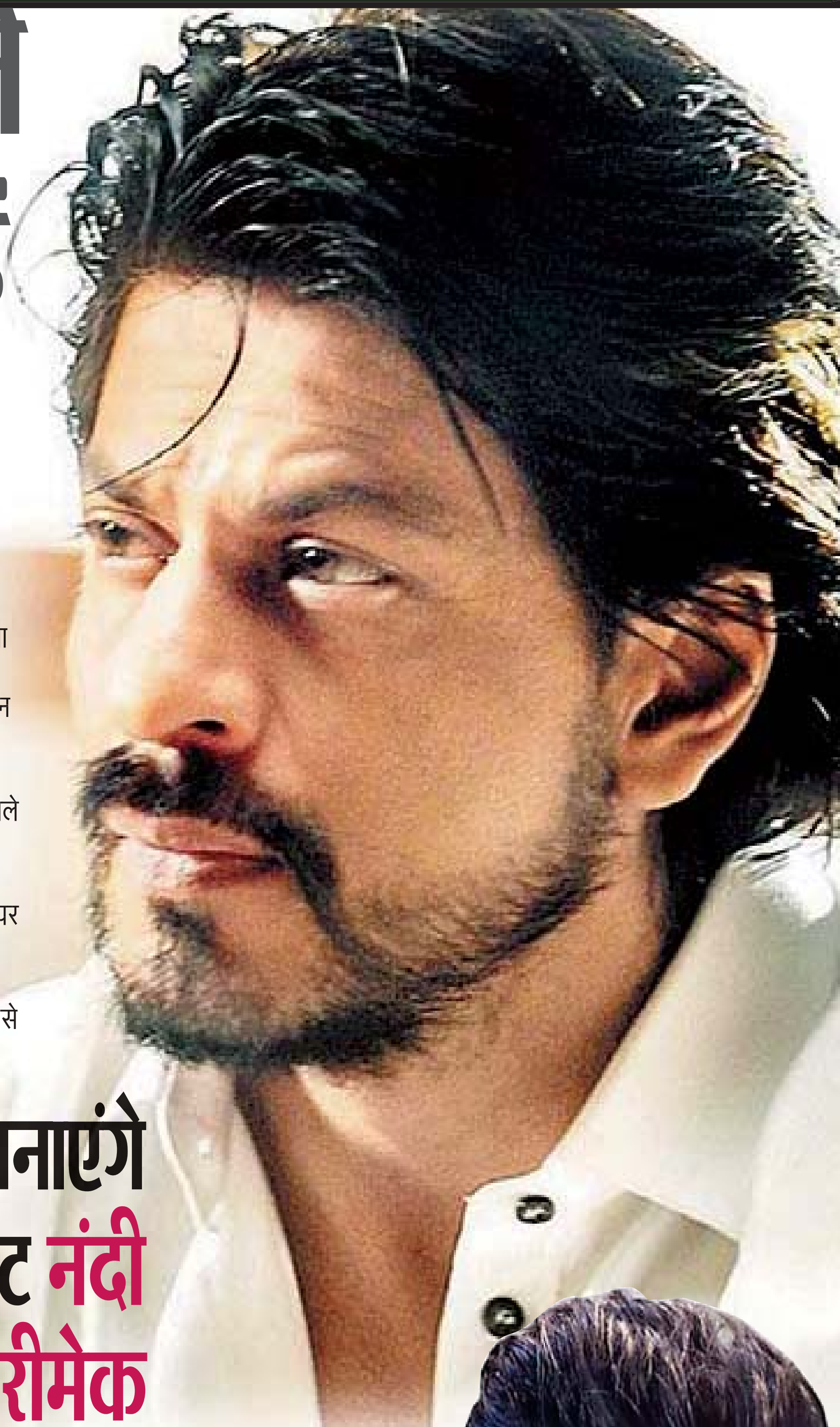

शाहरुख खान को आज बॉलीवुड में 29 वर्ष पूरे हो गए हैं। उनकी पहली रिलीज 'दीवाना' 25 जून 1992 को रिलीज हुई थी। इस मौके पर शाहरुख ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इस खास दिन को शाहरुख शूटिंग करते हुए मना रहे हैं। शाहरुख ने मुंबई में यशराज फिल्म्स स्टूडियो में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पठान की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। पठान के सेट के बाहर सुपरस्टार कार देखी गई। कोरोना की दूसरी लहर के कमजोर होते ही लॉकडाउन में ढील दी गई और उसके बाद पठान ने अपना शूटिंग शेड्यूल फिर से शुरू कर दिया है। अभी केवल किंग खान शूटिंग कर रहे हैं। जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण अगले कुछ दिनों में शुरू होने वाले हैं। फिल्म के एक बड़े हिस्से की शूटिंग इस शेड्यूल में की जाएगी। इसके बाद टीम एक्शन और बड़े पैमाने पर दृश्यों की शूटिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर पहुंचेगी। पठान का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। आदित्य कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं। इनमें सलमान खान की टाइगर 3, जुनैद खान की पहली महाराज, सैफ अली खान, रानी मुखर्जी, सिद्धांत चतुर्वेदी की बंटी और बबली 2, विक्की कौशल की अगली मूवी, रणवीर सिंह की जयेशभाई जोरदार, रणबीर कपूर की शमशेरा जैसी फिल्में हैं। इनमें से कुछ रिलीज के लिए तैयार हैं।

अजय देवगन बनाएंगे तेलुगु हिट नंदी का हिंदी रीमेक

अजय देवगन इन दिनों एक्टिंग के साथ-साथ बतौर प्रोड्यूसर भी व्यस्त हैं और कई फिल्मों पर काम कर रहे हैं। अजय और वी. वेंकट रमना रेड्डी उर्फ दिल राजू पहली बार एक जबरदस्त कहानी को सामने लाने के लिए साथ आ रहे हैं। दो दिग्गजों ने फिल्म के हिंदी रीमेक के लिए 2021 की तेलुगु हिट मूवी नंदी के अधिकार हासिल कर लिए हैं। नंदी एक क्राइम कोर्ट रूम ड्रामा है। इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों ने एक साथ पसंद कर सफल बनाया था। निर्माता अजय देवगन कहते हैं, 'नंदी एक महत्वपूर्ण फिल्म है, जो प्रशासन में कुछ खामियों को उजागर करती है। दिल राजू और मैंने ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए इस फिल्म का हिंदी में रीमेक बनाने के लिए हाथ मिलाने का फैसला किया है। स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।' निर्माता दिल राजू ने कहा, 'नंदी एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बनी? फिल्म है और हम इस कहानी को हिंदी भाषी दर्शकों तक ले जाने के लिए उत्सुक हैं। मैं इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर अजय देवगन के साथ जुड़ कर बहुत खुश हूं। फिल्म के बाकी डिटेल्स जल्दी ही साझा करेंगे।' स्क्रिप्ट फाइनल होते ही कलाकारों का चयन होगा और जल्दी ही इस बारे में घोषणा की जाएगी।

सत्यनारायण की कथा में कार्तिक की हीरोइन हो गई फाइनल!

साजिद नाडियाडवाला ने कुछ दिन पहले म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म सत्यनारायण की कथा को बनाने का ऐलान किया था, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। कार्तिक के अलावा किसी भी अन्य कलाकार का नाम घोषित नहीं किया गया। सभी जानने के लिए उत्सुक हैं कि इस फिल्म में कार्तिक की हीरोइन कौन होगी? तो आइए बताते हैं कि बॉलीवुड खबरचियों ने हमें इस बारे में क्या बताया। एक सूत्र ने कहा 'साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म का ऑफर सबसे पहले श्रद्धा कपूर को दिया है। स्क्रिप्ट उन्हें बहुत पसंद आई है और वह फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गई हैं। आने वाले दिनों में इस बात की घोषणा होगी। श्रद्धा और कार्तिक पहली बार साथ काम करेंगे। उनकी जोड़ी में ताजगी नजर आएगी। हालांकि यह मुख्य रूप से कार्तिक की कहानी है, लेकिन श्रद्धा का रोल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।'' श्रद्धा और कार्तिक को साथ में पहली बार लाने की कोशिश निर्माता दिनेश विजन ने की थी, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। एक और फिल्म का ऑफर दोनों को मिला था, तब भी बात नहीं बनी थी। शायद इस बार यह जोड़ी जम जाए।

सोनू सूद बेच रहे हैं अंडे-ब्रेड, साइकल पर सुपरमार्केट

लोगों की मदद करने के साथ-साथ सोनू सूद सोशल मीडिया पर मजेदार पोस्ट करते रहते हैं। कभी वे ढाबा खोल लेते हैं तो कभी चाकू-छूरी की धार तेज करते नजर आते हैं। अब सोनू ने एक वीडियो डाला है जिसमें वे ब्रेड और अंडे बेचने की बात करते नजर आ रहे हैं। इसे उन्होंने सोनू सूद की सुपरमार्केट नाम दिया है। एक साइकल पर उन्होंने बहुत सारा सामान लाद रखा है। कई झोले टंगे हैं जिनमें ब्रेड है। पीछे अंडे की कैरेट है। सोनू इसे सुपर मार्केट कहते हैं और अंडा 6 रुपये और ब्रेड का दाम 40 रुपये बताते हैं। और भी कई सामान उनके झोले में नजर आता है। कोरोना काल में सोनू सूद मसीहा बन कर उभरे हैं और उन्होंने हजारों लोगों की मदद की है जिसके कारण वे लोकप्रियता में कई दिग्गजों से आगे निकल गए हैं।

खतरों के खिलाड़ी: श्वेता तिवारी, अर्जुन? बिजलानी सहित ये हैं टॉप 5 फाइनलिस्ट!

खतरों के खिलाड़ी 11 की शूटिंग भले ही विदेश में हो रही थी, लेकिन भारत में इसके लगातार चर्चे हो रहे हैं। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किया गया यह शो अब टेलीविजन प्रीमियर के लिए तैयार है। रोहित शेट्टी और सारे प्रतियोगी भारत लौट आए हैं। कुछ रिपोर्ट्स से पता चला है कि टॉप 5 फाइनलिस्ट में किसने जगह बनाई है। दिव्यांका त्रिपाठी, वरुण सूद, श्वेता तिवारी, अर्जुन बिजलानी और आदित्य सिंह के बारे में कहा जा रहा है कि ये पांचों अंतिम दौड़ में पहुंचे हैं। हालांकि फाइनल टास्क हो चुका है, लेकिन विजेता का नाम एक लाइव इवेंट में बताया जाएगा। इस बार कई नामी लोग इस शो में नजर आएंगे। इन पांचों के अलावा राहुल वैद्य, निक्की तंबोली, आस्था गिल, सना मकबुल, सौरभ राज जैन, महक चहल और अनुष्का सेन भी प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए हैं। अब इस शो के टीवी पर प्रसारित होने का इंतजार है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

चीन के हेनान प्रांत में 'मार्शल आर्ट' स्कूल में आग से 18 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के हेनान प्रांत में शुक्रवार तड़के एक 'मार्शल आर्ट' स्कूल में भीषण आग लग गयी, जिसके कारण कम से कम 18 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में अधिकतर बच्चे थे। इसके अलावा इस हादसे में 16 अन्य लोग घायल भी हो गए। झेनशिंग मार्शल आर्ट सेंटर की पहली मंजिल पर यह आग तड़के उस समय लगी जब बच्चे सो रहे थे। शुआंगक्वी शहर की झीचेंग काउंटी में स्थित इस बोर्डिंग स्कूल में कुल 34 बच्चे थे। हांगकांग स्थित समाचार पत्र साउथ चाइना ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि घायलों में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि 12 लोग मामूली रूप से झुलसे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उसने स्कूल की इमारत से बच्चों के चिल्लाने की आवाजें सुनीं। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 'सभी बच्चे चिल्ला रहे थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। हमने आग को बुझाने के लिए उस पर पानी डालने की कोशिश की, लेकिन आग को बुझा नहीं सके। धीरे-धीरे आग इतनी भीषण हो गयी कि उसे बुझाने के लिए कोई उसके पास नहीं जा सका।卐 अधिकारियों ने स्कूल के मालिक चेन लिन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

हिंद महासागर में सिंगापुर की ओर जा रहे एक कंटेनर जहाज में आग लगी: श्रीलंका नौसेना

कोलंबो। हिंद महासागर में सिंगापुर की ओर जा रहे एक कंटेनर जहाज में आग लग गयी। श्रीलंका की नौसेना के प्रवक्ता इंडिका डि सिल्वा ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला एमएससी जहाज 22 जून को कोलंबो बंदरगाह से रवाना हुआ था और वह सिंगापुर की ओर जा रहा था किंतु श्रीलंका की समुद्री सीमा के पार जाने के बाद उसमें आग लग गयी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तड़के नौसेना को इस जहाज में आग लगने की सूचना दी गयी। उन्होंने कहा कि चूंकि जहाज अब भी श्रीलंका की तलाश एवं बचाव सीमा में है, इसलिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है। प्रवक्ता ने बताया कि देश के दक्षिणी छोर किरिंडा से करीब 483 समुद्री मील की दूरी पर यह जहाज है और उसके इंजन में आग लगी है। फिलहाल समीप के एक व्यापारिक जहाज को सहायता पहुंचाने को कहा गया है। अभी एक सप्ताह पहले श्रीलंका के मुख्य बंदरगाह के पास एक मालवाहक जहाज आग लगने के बाद डूब गया था। उसपर कई टन रसायन लदा था। सिंगापुर के झंडे वाले 'एक्स-प्रेस पर्ल' जहाज में मई में आग लग गयी थी। लेकिन वह 17 जून को डूबा।

बलूचिस्तान में हालात खराब! आतंकियों ने किया सुरक्षा बलों पर हमला, पांच सैनिकों की मौत

कराची। दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमला किया, जिसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। डॉन समाचार पत्र की खबर के मुताबिक बलूचिस्तान के सीबी जिले के संगन इलाके में गोलीबारी के दौरान आतंकवादियों को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया। पाकिस्तान सशस्त्र बल के मीडिया विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशन (अंतर सेवा जनसंपर्क) ने बताया कि गोलीबारी के दौरान 'फ्रंटियर कोर बलूचिस्तान' के पांच सैनिकों की मौत हो गई। आईएसपीआर ने बताया कि तलाश अभियान जारी है। इस महीने की शुरुआत में भी एक हमले में फ्रंटियर कोर के चार सैनिकों की मौत हो गई थी।

चीन ने भारत सीमा के पास तिब्बत में पहली बुलेट ट्रेन सेवा शुरू की

बीजिंग। चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरुआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई

जहां 'फूक्सिंग' बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ। सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू सेहोगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेडोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। शिंगहुआ यनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था, ÷कि चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।

कार्रवाई से बचाने की चीनी कोशिश नाकाम, पाकिस्तान ग्रे था...ग्रे ही रहेगा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की लिस्ट में पाकिस्तान बरकरार रहेगा। पाकिस्तान इस बात से शायद थोड़ा खुश होगा कि वो ब्लैक लिस्ट होने से बच गया। लेकिन ग्रे लिस्ट में भी बने रहना पाकिस्तान के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से अभी भी पाकिस्तान को बंदिशों में रहना होगा। भारत की ओर से लगातार ये दवाब बनाया जा रहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। तीन-चार दिनों तक चली मीटिंग में ये तय किया गया कि पाकिस्तान को अभी भी एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रहना पड़ेगा। जिसका सीधा सा मतलब है कि पाकिस्तान के सिर से अभी भी खतरे की तलवार हटी नहीं है।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट की वजह से करीब 38 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अब उसे इंटरनैशनल मॉनिटरी फंड जैसी संस्थाओं से मदद मिलना मुश्किल बना रहेगा। एफएटीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने 27 कार्यबिंदुओं में से अबतक केवल 26 को ही पूरा किया है। वहीं, पाकिस्तान में इस फैसले को पश्चिमी देशों का भेदभाव बताया जा रहा है और सवाल किया जा रहा है कि जब पाकिस्तान ने जून 2018 के बाद से अब तक इतने बिंदुओं पर काम पूरा कर लिया है, तो अभी भी उसे ग्रे लिस्ट में क्यों रखा गया। खबर ये भी आई थी कि एफएटीएफ की कार्रवाई से बचाने के लिए चीन, पाकिस्तान की मदद कर रहा था। चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत एफएटीएफ की बैठक में शामिल हुए। बता दें कि एफएटीएफ का गठन 1989 में किया गया था और इसके 39 सदस्य हैं।

कोरोना फ्री देश बना इजरायल में फिर बरसा कोविड का कहर, केस बढ़ने के बाद मास्क पहनना किया अनिवार्य

यरुशलम। (एजेंसी)।

दुनिया में टीकाकरण में सबसे आगे चल रहे इजराइल में कोरोना वायरस के एक नये स्वरूप के सामने आने के बाद बढ़ते मामलों के बीच एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। इजराइल ने दुनिया में सबसे सफल टीकाकरण अभियानों में से एक को शुरू किया था, जिसमें लगभग 85 प्रतिशत वयस्क आबादी को टीका लगाया गया था। हाल के महीनों में, लगभग सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे क्योंकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घट गई थी।

इजराइली मीडिया की खबर के अनुसार कई हफ्तों बाद हाल के दिनों मेंमामलों में फिर से वृद्धि देखी गई है। इजराइली मीडिया ने कोरोना वायरस प्रतिक्रिया अभियान का नेतृत्व कर रहे डॉ. नचमन ऐश के हवाले से कहा कि बृहस्पतिवार को इस महामारी के 227 नए मामलों की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार दोपहर से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना होगा। मामलों में वृद्धि का कारण अत्यधिक संक्रामक डेल्टा संस्करण को माना जा रहा है, जो बच्चों सहित बिना टीकाकरण वाले व्यक्तियों में तेजी से फैलता है। इजराइल के जिन नागरिकों का टीकाकरण हो चुका हैं, वे भी कथित तौर पर संक्रमित हो गए हैं, लेकिन उनमें केवल मामूली लक्षण दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि महामारी की शुरुआत होने के बाद से इजराइल में इस वायरस से 6,429 लोगों की मौत हुई है।

पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को ज्यादा समय के लिए टाला नहीं जा सकता: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को ज्यादा समय के लिए टाला नहीं जा सकता। इसके साथ ही भारत ने इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी बातचीत बहाल करने की जरूरत को भी रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पश्चिम एशिया (फलस्तीन के मुद्दे समेत) पर हुई बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) विकास स्वरूप ने सभी पक्षकारों से तनाव को कम करने और उकसावे से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''शांति प्रक्रिया को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता। गतिरोध के कारण पक्षकारों के बीच विश्वास में कमी ही आती है और हिंसा की आशंका को बढ़ावा मिलता है।'' स्वरूप ने पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को तत्काल बहाल करने तथा इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी बातचीत की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''भारत 'क्वार्टेट' समेत सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करता है जिनका लक्ष्य इस बातचीत को बहाल करने और शांति प्रक्रिया के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।'' स्वतंत्र और लोकतांत्रिक फलस्तीन की स्थापना के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्वरूप ने कहा कि सार्थक और दीर्घकालिक शांति के लिए दो देश के समाधान का कोई ''विकल्प नहीं है।

ब्रिटेन के युद्धपोत के काला सागर में दाखिल होते ही पुतिन ने दिया वो आदेश जिसकी कल्पना बाइडेन और जॉनसन ने नहीं की होगी

बीजिंग। (एजेंसी)।

काला सागर को लेकर रूस और ब्रिटेन में तनाव बढ़ता जा रहा है। रूस ने मास्को में ब्रिटिश राजदूत को औपचारिक तौर तलब किया था और कहा था कि ब्लैक सागर पर रूस का अधिकार है। जबकि यूरोपीयन देशों का कहना है कि ब्लैक सागर पर यूक्रेन का अधिकार है। और ब्लैक सागर को लेकर रूस के साथ ब्रिटेन और अमेरिका के बीच भारी तनाव है। क्रिमिया में अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के पास जैसे ही ब्रिटिश नेवी के डिस्ट्रायर एचएमएस डिफेंडर ने कदम रखे, रूस ने उसे रेडियो पर सख्त चेतावनी दी और रास्ते नहीं बदलने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। रूस को उकसाने के इरादे से ब्रिटिश डिस्ट्रायर समुद्र में कुछ कदम और आगे बढ़ गया। फिर क्या था पुतिन ने अपने फाइटर जेट को वो आदेश दिया जिसकी कल्पना बोरिस जॉनसन और जो बाइडेन ने कभी नहीं की होगी। देखते ही देखते रूस के 20 बॉम्बर्स क्रीमिया के समुंद्र के ऊपर मंडराने लगे। पुतिन के आदेश पर रूस की दो समुद्री जहाज भी गोलियां बरसाने लगी। रूस के विमानों ने चार बड़े बम ब्रिटिश नेवी शिप के रास्ते पर गिराए। इसके साथ ही रूसी नेवी शिप ने सैकड़ों राउंड गोलियां दागी। हालांकि ब्रिटिश डिफेंस मिनिस्ट्री ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया है। लेकिन ब्रिटिश नेवी के डिस्ट्रायर एचएमएस डिफेंडर में मौजूद बीबीसी संवाददाता ने गोले दागने और गोलियां चलाने की पुष्टि की है। बीबीसी संवाददाता का दावा है कि रूस की एक रक्षा नौका तो गोलियां दागते हुए 100 मीटर दूर तक आ पहुंची थी। जबकि आसमान में आग बरसाते रूसी जंगी जेट गोले गिरा रहे थे।

क्यों काले समुंद्र में मचा है कोहराम

साल 2014 तक क्रीमिया यूक्रेन का हिस्सा थी। लेकिन पुतिन की सेनाओं ने 2014 में क्रीमिया को अपने कब्जे में कर लिया। जिसे अमेरिका समेत नाटो देश मान्यता नहीं देते। रूस क्रीमिया की सीमा को अपनी जल सीमा मानता है जबकि अमेरिका और ब्रिटेन समेत 30 नाटो देश इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा मानते हैं।

ब्रिटेन का अपना अलग दावा

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत जहाज बहुत निर्दोष तरीके से यूक्रेन के क्षेत्रीय पानी से गुजर रहा था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा कि यह कहना गलत है कि जहाज पर कोई गोलीबारी हुई, या जहाज रूस की समुद्री सीमा में थ।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बेटे ने किया कॉल गर्ल को किया 18 लाख का पेमेंट, पहुंच गयी थी सीक्रेट सर्विस!

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो जो बाइडेन के बेटे रॉबर्ट हंटर बाइडेन को लेकर न्यूयॉर्क के अखबारों में एक खबर छपी है। न्यूयॉर्क पोस्ट द्वारा रिपोर्ट की गयी खबर के अनुसार मई 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे रॉबर्ट हंटर बिडेन ने 24 वर्षीय एस्कॉर्ट महिला के साथ कुछ दिन बिताए थे। कॉल गर्ल के साथ बिताई गयी इन रातों के लिए हंटर को महिला को 18 लाख से अधिक पैसे देने पड़े थे। इस दौरान हंटर से एक गलती हुए और कॉल गर्ल के साथ बितायी गयी रातों की कीमत जो बाइडेन को चुकानी पड़ी।

यह घटना हंटर के लॉस एंजिल्स में चेटो मारमोंट में रहने के दौरान हुई थी, और पलायन से संबंधित संदेश और तस्वीरें उसके लैपटॉप में पाए गए थे। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, हंटर ने रूसी मूल की 'याना' नाम की महिला से अपना परिचय 'रोब' के तौर पर दिया। पोस्ट ने दावा किया कि बाद में वह उनसे उनकी हट में मिलने जाती थी और वे वोदका पीते थे और साथ में वीडियो बनाते थे। कुछ दिनों तक रहने के बाद, जब याना ने 8,000 (?5 लाख से अधिक) का भुगतान करने के लिए कहा, हंटर ने महसूस किया कि उसका कोई भी डेबिट कार्ड काम नहीं कर रहा है, रिपोर्ट में कहा गया है। असफल लेनदेन की एक श्रृंखला के बाद, हंटर अंततः एक अलग कार्ड का उपयोग करके याना को भुगतान करने में सफल रहा।

पेमेंट होने के बाद हंटर को तब एक पूर्व गुप्त सेवा विशेष एजेंट द्वारा संपर्क किया गया था, जो न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार रॉबर्ट सैवेज III के नाम से चला गया था। पोस्ट रिपोर्ट में दिखाए गए टेक्स्ट संदेशों से पता चलता है कि सैवेज ने हंटर को यह कहते हुए मैसेज किया कि पैसे 'सेल्टिक के खाते' से लेन-देन किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, 'सेल्टिक' जो बाइडेन का सीक्रेट सर्विस कोड नाम था, जब वह 2009-2017 तक उपराष्ट्रपति थे।

हाफिज सईद के घर के बाहर कार बम विस्फोट मामले में विदेशी नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के षड्यंत्रकर्ता और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद के घर के बाहर कार बम विस्फोट मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। मीडिया में आई खबरों से शुक्रवार को यह जानकारी मिली। 'डॉन' समाचारपत्र की खबर के मुताबिक, संदिग्ध व्यक्ति की पहचान पीटर पॉल डेविड के रूप में हुई है और उसे बृहस्पतिवार को लहौर हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया गया। 'दुनिया टीवी' की खबर के मुताबिक डेविड को कराची जाने वाले एक विमान से उतारकर पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। ऐसा बताया गया है कि वह विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार का मालिक है।

खबर के मुताबिक, डेविड की यात्राओं के इतिहास से पता चला है कि वह कराची, लाहौर और दुबई लगातार आता-जाता रहता था और इन यात्राओं के पीछे की वजहों और अपनी गतिविधियों के बारे में वह जांचकर्ताओं के सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। बुधवार सुबह जोहर क़स्बे में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू हाउसिंग सोसाइटी में सईद के घर के बाहर एक शक्तिशाली कार बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी और 21 अन्य घायल हो गए थे। इस विस्फोट से सईद के घर की खिड़कियों और दीवारों को क्षति पहुंची थी।

किसी भी संगठन ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। खबर में बताया गया है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां एक और संदिग्ध की तलाश कर रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि विस्फोटकों से भरी कार को वही संबंधित स्थल तक लेकर आया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार 2010 में पंजाब प्रांत के गुजरांवाला से चोरी हुई थी और इसे कई बार खरीदा-बेचा गया तथा डेविड इसका अंतिम मालिक था। गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने दावा किया है कि पंजाब पुलिस लौहार में इस विस्फोट के पीछे के दोषियों को गिरफ्तार करने के करीब है।

चीन ने भारतीय सीमा के पास शुरू की पहली बुलेट ट्रेन, क्या है ड्रैगन की नई चाल

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ'ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरुआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई जहां ÷फूक्सिंग÷ बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ।

सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू सेहोगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेदोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है।

चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। त्सिंगहुआ युनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था, ÷कि चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चार साल की बच्ची से दुष्कर्म बिल्डिंग का सिक्युरिटी गार्ड गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के अडाजण क्षेत्र में एक चार साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में अडाजण क्षेत्र की एक कंस्ट्रक्शन साइट के बगल की बिल्डिंग के सिक्युरिटी गार्ड को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक

सूरत के अडाजण क्षेत्र में एक बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां काम करनेवाले एक श्रमिक परिवार की चार साल की बच्ची गुरुवार दोपहर 2 बजे के आसपास लापता हो गई। परिवार ने काफी खोजबीन की लेकिन बच्ची के नहीं मिलने पर पुलिस को इत्तला कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और बच्ची की तलाश शुरू कर दी। बच्ची बगल की बिल्डिंग की छत से बेहोशी की हालत मिली। उसके प्राइवेट पार्ट पर जख्म के निशां थे।

पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज खंगाली जिसमें उसी बिल्डिंग का सिक्युरिटी गार्ड बच्ची को ले जाता दिखाई दिया। पुलिस ने तुरंत 31 वर्षीय शिवनारायण जयराजसिंह नामक सिक्युरिटी गार्ड को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि बच्ची को खिलाने के बहाने वह बिल्डिंग की छत पर ले गया था,

जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी शिवनारायण उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है और सिक्युरिटी गार्ड के तौर पर नौकरी करता है।

पुलिस ने 10,78,520 रुपये मूल्य के मुदामाल जब्त किए

सूरत में दो लग्जरी कारों से 262 बोतल विदेशी शराब जब्त, दो गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत खडोदरा पुलिस

को मिली सुचना के आधार पर सरसाना गांव के दर्जी सोसायटी में सड़क के उपर एक आर्टिका और स्कोडा फैबिया कार से 262 बोतल विदेशी शराब और 72 बोतल बीयर के साथ दो लोगों को पकड़ा। पुलिस ने 10,78,520 रुपये मूल्य के मुदामाल जब्त किए हैं और आगे की जांच कर रही है। इतना ही नहीं, पुलिस ने एक को आरोपी की तलाश जारी हैं, उस वांटेड घोषित कर तलाशी अभियान चलाया है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

खडोदरा पुलिस के मुताबिक , पुलिस ने इस सूचना पर नजर रखी थी कि शहर में लंबे समय से विभिन्न लग्जरी कारों से भारी मात्रा में शराब लाई जा रही है. जिसमें उमेश गमनभाई पटेल और चिरागकुमार चंपकभाई पटेल भारी मात्रा में शराब लाए जाने की पुष्टि की गई, पुलिस ने दोनों लग्जरी कारों को जब्त कर लिया और 262 बोतल विदेशी शराब और 72 बीयर बरामद की।

दमन के विक्की राठौर ने वांटेड घोषित किया ।उन्होंने आगे कहा कि उमेश और चिराग से पूछताछ में पता चला कि भीमपुर-दमन का विक्की राठौर (पता, भीमपुर दमन) शराब भेज रहा था और पुलिस ने उसे वांटेड घोषित कर कानूनी कार्रवाई की । आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है।

सुरत में पलसाना हाईवे पर जेडी रेस्टोरेंट पर नाबालिग को रूम न मिलने पर युवक ने असामाजिक तत्वो ने किया तोड़फोड़

क्रांति समय दैनिक

सुरत में पलसाना हाईवे पर जेडी रेस्टोरेंट पर नाबालिग को रूम न मिलने पर युवक ने असामाजिक तत्वो ने किया तोड़फोड़ सगीरा लाने वाले युवक को जगह न देकर बाबल बनाया गया था

मालिक दिलीप राजपूत ने कहा कि धवल अकबरी नाम का एक युवक कमरे के लिए आया था और उसके

साथ 18 साल से कम उम्र की लड़की थी। एक काउंटर वर्कर ने कहा, "18 साल से कम उम्र की लड़कियों को अनुमति नहीं है।" फिर उसने धमकी दी कि अगर आपने उसे कमरा नहीं दिया तो वह आपका रेस्तरां नहीं चलने देगा।

सार-समाचार

खेत से घर लौट रहे दंपत्ति को डम्पर ने कुचला, दोनों की घटनास्थल पर मौत

पाटन,जिले के रोडा गांव के निकट डम्पर की चपेट में आकर एक दंपत्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब दंपत्ति खेत से अपने घर की ओर जा रहा था। दंपत्ति की मौत से उसके तीन बच्चे निराधार हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक आज पाटन जिले की हारिज तहसील के रोडा गांव के निकट लखाजी शंकरजी ठाकोर अपनी पत्नी के साथ खेत से घर लौट रहे थे। उस वक्त बेलगाम एक डम्पर ठाकोर दंपत्ति को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद डम्पर चालक डम्पर मौके पर छोड़ फरार हो गया। घटना के आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। खबर लगते ही एम्ब्युलेंस 108 घटनास्थल पर पहुंच गई। लेकिन तब ठाकोर दंपत्ति की मौत हो चुकी थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरूकर दी।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया रविवार को सूरत आएंगे

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया 27 जून, रविवार को सूरत आएंगे। सूरत में मनीष सिसोदिया की उपस्थिति में कई सामाजिक नेता और उद्योगकारों के आम आदमी पार्टी में शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। बता दें कि मनीष सिसोदिया पहले 24 जून, गुरुवार को सूरत आनेवाले थे। लेकिन तबियत नादुरुस्त होने की वजह से उन्होंने सूरत दौरा टाल दिया था। अब सिसोदिया रविवार को सूरत आएंगे। सूरत नगर निगम चुनाव में 27 सीटें जीत चुकी आम आदमी पार्टी अगले साल होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव से अपना संगठन मजबूत करना चाहती है। कुछ दिन पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अहमदाबाद आए थे और उनकी मौजूदगी में पत्रकार ईसूदान गढ़वी ने आप जॉइन की थी। केजरीवाल के बाद अब मनीष सिसोदिया के सूरत दौरे पर आ रहे हैं और उनकी मौजूदगी में कई सामाजिक नेता और उद्योगकारों के आप में शामिल होने की संभावना है।

फिर विवाद में घिरी अभिनेत्री पायल रोहतगी, सोसायटी के चेरमैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई

बोलीवुड की अभिनेत्री पायल रोहतगी फिर एक बार विवाद में आ गई हैं। इस बार उन्होंने अपनी ही सोसायटी के लोगों को जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं सोसायटी के सदस्यों के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट भी किया है।

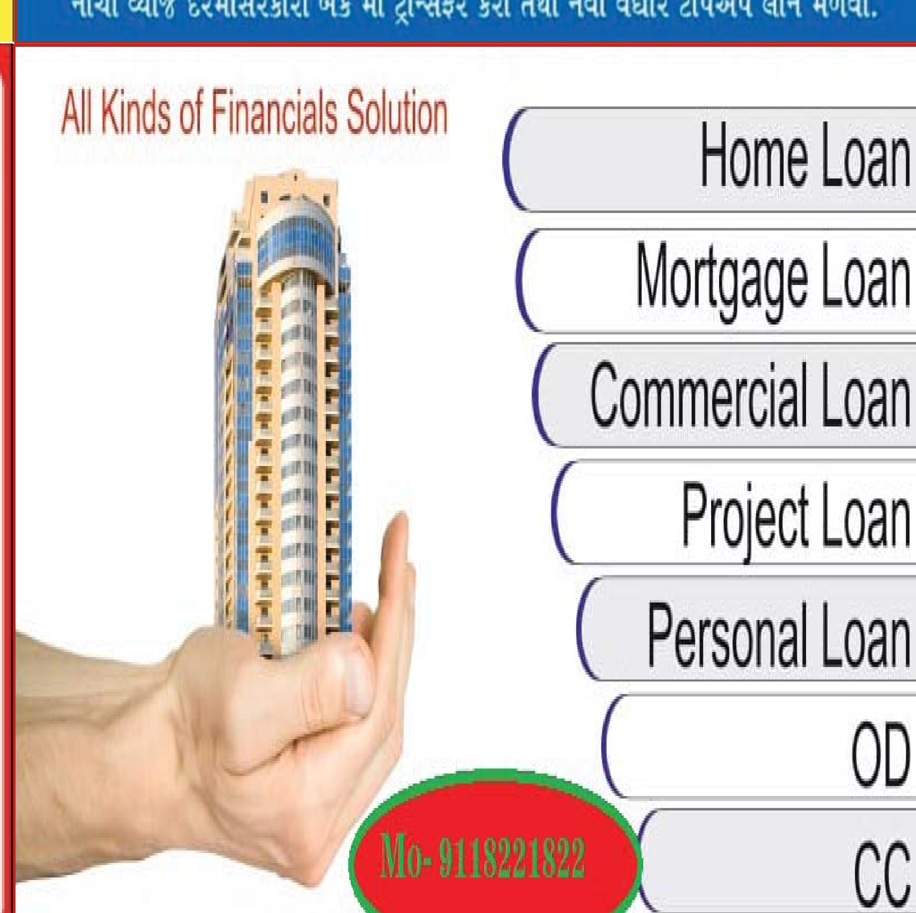

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र सेनानियों का किया सम्मान

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गोरखपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर आपातकाल के 46 वर्ष पूरे होने पर काला दिवस मनाया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह ने कहा आज से 46 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक ऐसा फैसला किया, जिसने लोकतंत्र की नींव को हिलाकर रख दिया था।उन्होंने संविधान की धारा 352 के तहत देश में आपातकाल की घोषणा कर दी थी। लोगों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। सभी प्रमुख विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।बिना सरकार की अनुमति के खबर छापने पर रोक लगा दी गई थी। आज के प्रमुख कार्यक्रम में करीब 21 महीने तक देश में आपातकाल के दौरान गिरफ्तारी देकर जेल में यातनाएं सहने वाले लोकतंत्र सेनानियों को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सम्मानित भी किया गया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मंत्री ने चलाई 60 किलो मीटर साइकिल

भोपाल। कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन के महत्व के साथ पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरुकता लाने का काम किया है, इसी क्रम में मध्य प्रदेश के पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग ने मंदसौर से नीमच के बीच लगभग 60 किलोमीटर की साइकिल यात्रा की। पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग ने शुक्रवार की एनसीसी कैडर्स के साथ मन्दसौर से नीमच तक की 60 कि.मी. की पर्यावरण सुरक्षा-संरक्षण और कोविड-19 टीकाकरण के प्रति जन-जागरूकता साइकिल रैली में सहभागिता की। डंग ने अपनी इस साढ़े चार घंटे की साइकिल यात्रा में जगह-जगह लोगों को मानसून के दौरान पौध-रोपण करने, पर्यावरण संरक्षण और कोविड टीकाकरण के लिए अपील की। साइकिल रैली का शुभांरभ सुबह मन्दसौर में मंत्री डंग के साथ सांसद सुधीर गुप्ता और विधायक यशपाल सिसोदिया ने किया। डंग ने पिपलिया मंडी, मल्हारगढ़, हिंगोरिया बालाजी आदि विभिन्न गांव में लोगों को वैक्सीनेशन से मानव जीवन और अधिक से अधिक पौध-रोपण से पर्यावरण को होने वाले लाभों के बारे में समझाया। उन्होंने कहा वैक्सीनेशन से हम कोरोना से निजात पाने में सफल होंगे, वहीं अधिक से अधिक पौध-रोपण से वातावरण में प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होगी। नीमच में विधायक दिलीप सिंह परिहार ने साइकिल रैली का स्वागत किया।

चिदंबरम बोले- पहले जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले और फिर हो चुनाव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को जम्मू कश्मीर को लेकर सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र को फिर से बहाल करने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि दिल्ली और कश्मीर की दूरी किसी भी तरह से कम हो। बैठक में शामिल लगभग सभी नेताओं ने जम्मू कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की और वहां चुनाव कराने का भी आग्रह किया। इन सबके बीच पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने अपनी राय रखी है। चिदंबरम ने कहा कि यह अजीबो-गरीब बात है कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में पहले चुनाव कराना चाहती है और फिर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना चाहती है। चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की दूसरी पार्टियां एवं नेता पहले पूर्ण राज्य का दर्जा चाहते हैं और फिर चुनाव चाहते हैं। सरकार का जवाब है कि पहले चुनाव और फिर पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा।'' चिदंबरम ने कहा, ''घोड़ा गाड़ी को खींचता है। पूर्ण राज्य में चुनाव कराना चाहिए। इस स्थिति में ही चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र होंगे। सरकार क्यों चाहती है कि गाड़ी आगे हो जाए और घोड़ा पीछे। यह अजीबो-गरीब बात है।''

केजरीवाल पर गंभीर का हमला, कहा- हर चीज में झूठ बोलकर निकल नहीं सकते

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली में ऑक्सीजन का लेखाजोखा करने के लिए गठित की गई एक समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए यहां की राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी दिल्ली में ऑक्सीजन की जरूरत से चार गुना अधिक मांग की थी और उनके इस ''झूठ'' के कारण कम से कम 12 राज्यों में जीवन रक्षक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित हुई। इसी को लेकर पर पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। गौतम गंभीर ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री हर चीज में झूठ बोलकर निकल नहीं सकते। वे देश की जनता से माफी मांगें। ऐसे वक्त में भी इतनी घिनौनी राजनीति सिर्फ एक ही व्यक्ति कर सकता है और उसका नाम अरविंद केजरीवाल है। क्रिकेट से राजनीति में आए गंभीर ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि जब सबको एकजुट होकर महामारी के खिलाफ लड़ना थी तब घबराहट क्यों पैदा की गई? 279 मीट्रिक टन की जरूरत थी तब क्यों बोला गया कि 1100 मीट्रिक टन की जरूरत है? आपने निजी अस्पतालों को क्यों कहा कि अपनी मांग बढ़ाकर केंद्र को बताइये। दूसरी ओर दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित 'ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी' के कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली के ऑक्सीजन की मांग को चार गुना बढ़ाने का दावा करने वाली रिपोर्ट देने की खबर को खारिज कर दिया। सिसोदिया ने ऑनलाइन एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर ऐसी रिपोर्ट को लेकर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

नारद घोटाला: सुप्रीम कोर्ट ने ममता को नए सिरे से हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कानून मंत्री मलय घटक को राहत दी है और नारद घोटाला मामले में उनके हलफनामे को नहीं लेने के कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल सुप्रीमो बनर्जी को नए सिरे से कलकत्ता हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के नौ जून के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसने मामले में सीबीआई की ट्रांसफर याचिका पर बनर्जी और घटक के जवाब-शपथ पत्र लेने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की पीठ ने उच्च न्यायालय से कहा कि मामले में सीबीआई द्वारा 17 मई को चार टीएमसी नेताओं की गिरफ्तारी के दिन उनकी कथित भूमिका के संबंध में हलफनामा दाखिल करने के संबंध में उनकी याचिका पर फैसला किया जाए। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय 29 जून को मामले की सुनवाई करने वाला है, इसलिए संबंधित पक्षों को वहां जाना चाहिए। सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को सुझाव दिया कि वह याचिकाकताओं को नए सिरे से उच्च न्यायालय जाने के लिए कह सकती है, क्योंकि वहां मामले की सुनवाई चल रही है। सीबीआई ने दोनों नेताओं पर टीएमसी के चार नेताओं की गिरफ्तारी के बाद उसे कानूनी कर्तव्य निभाने से रोकने का आरोप लगाया था। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के 9 जून के आदेश पर रोक लगा दी, जहां अदालत ने बनर्जी और घटक द्वारा उनके वकील वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह को सुनने के बाद रिकॉर्ड हलफनामे को लेने से इनकार कर दिया था। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीश इंदिरा बनर्जी और अनिरुद्ध बोस, जो कि पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं, ने पश्चिम बंगाल से जुड़े मामलों की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से इस मामले में आगे बढ़ने से पहले बंगाल सरकार, बनर्जी और घटक द्वारा दायर आवेदनों पर पहले फैसला करने को कहा।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने किया 'कम्युनिकेटर' और 'संचार माध्यम' को रिलांच

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान की प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं 'कम्युनिकेटर' और 'संचार माध्यम' को रिलांच किया। इस अवसर पर

आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी भी विशेष तौर पर उपस्थित थे। 'कम्युनिकेटर' के संपादक प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार भारती और 'संचार माध्यम' के संपादक प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार हैं। आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने बताया कि 'कम्युनिकेटर' का प्रकाशन वर्ष 1965 से और 'संचार माध्यम' का प्रकाशन वर्ष 1980 से किया जा रहा है। यूजीसी-केयर लिस्ट में शामिल इन शोध पत्रिकाओं में संचार, मीडिया और पत्रकारिता से संबंधित सभी प्रकार के विषयों पर अकादमिक शोध और विश्लेषण प्रकाशित किये जाते हैं।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि जनसंचार और पत्रकारिता पर प्रकाशित पुस्तकों के अलावा सामाजिक कार्य, एंथ्रोपोलोजी, कला आदि पर प्रकाशित पुस्तकों की समीक्षा भी पत्रिकाओं में प्रकाशित की जाती है। इसके अलावा ऐसे तथ्यपूर्ण शोध-पत्र भी शामिल किये जाते हैं, जिनका संबंध किसी नई तकनीक के विकास से है। भारतीय जन संचार संस्थान के प्रकाशन विभाग द्वारा 'कम्युनिकेटर' का प्रकाशन वर्ष में चार बार और 'संचार माध्यम' का प्रकाशन दो बार किया जाता है।

किसान 2022 के विधानसभा चुनाव में सोच समझ कर फैसला करेंगे: नरेश टिकैत

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने मेरठ से दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर के लिये किसान ट्रैक्टर रैली की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि किसान कृषि कानूनों को लेकर अपनी मांग माने जाने तक 'घर वापसी' नहीं करेंगे और अब 2022 के चुनाव में भी सोच-समझ कर फैसला लेंगे। मेरठ के सिवाया टोल प्लाजा से किसान ट्रैक्टर यात्रा के दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर रवाना होने से पहले किसानों को संबोधित करते हुए टिकैत ने कहा, 'किसान अपनी मांगे माने जाने तक घर वापसी को तैयार नही हैं। कृषि कानूनों की वापसी के लिए किसानों ने करो या मरो का संकल्प लिया है और किसान कृषि कानूनों को वापस कराकर रहेंगे। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में उन्होंने कहा, 'किसान अब 2022 के चुनाव में भी सोच-समझ कर फैसला करेंगे। आंदोलन जारी रहेगा और गाजीपुर बॉर्डर पर 26 (जून) को होने वाली किसान महापंचायत में आगे की रणनीति बनाई जाएगी।' इस दौरान किसानों की ट्रैक्टर यात्रा के कारण कई मार्गों को यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई और मोदीपुरम,कंकरखेड़ा, बागपत बाईपास से परतापुर तक लंबा जाम लग गया।

राम मंदिर भूमि खरीद मामला सीबीआई, ईडी जांच के लिये उपयुक्त: संजय राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर न्यास द्वारा जमीन खरीद में कथित वित्तीय अनियमितताएं केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के लिये 'उपयुक्त मामला' हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी को एक प्रस्ताव पारित कर इन एजेंसियों द्वारा जमीन मामले की जांच की मांग करनी चाहिए। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के मुंबई और नागपुर स्थित परिसरों पर धन शोधन मामले की जांच के तहत शुक्रवार को की गई छापेमारी के संदर्भ में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई द्वारा अपनी कार्यकारिणी की बैठक में उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और शिवसेना की तरफ से मंत्री अनिल परब के खिलाफ सीबीआई और ईडी की जांच की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किये जाने पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा, 'सीबीआई और ईडी आपकी पार्टी के कार्यकर्ता हैं या फिर आपकी आईटी सेल के सदस्य हैं?' राज्य सभा सदस्य ने आरोप लगाया कि भाजपा ने केंद्रीय जांच एजेंसियों- सीबीआई और ईडी- का 'इस्तेमाल अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिये कर' उनका महत्व कम किया है। राउत ने पूछा, 'केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग सही नहीं है। इसे रोकना चाहिए। जांच एजेंसियां अगर राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय कोष को नुकसान, धनशोधन आदि के मामलों की जांच करें तो यह समझ में आता है। लेकिन आप इन एजेंसियों की छवि क्यों धूमिल कर रहे हैं?' उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार इस साल अपने दो साल पूरे करेगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार अगले तीन साल भी स्थिर रहेगी। उन्होंने कहा, 'सरकार को अस्थिर करने के यह हथकंडे काम नहीं आएंगे।' इस बीच पुणे में संवाददाताओं से बात करते हुए प्रदेश के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा , 'अनिल देशमुख का मामला अदालत में विचाराधीन है और उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह हैरान करने वाला है कि ईडी की छापेमारी भाजपा द्वारा अजीत पवार और अनिल परब के खिलाफ सीबीआई और ईडी की जांच के मांग वाले प्रस्ताव के एक दिन बाद हुई। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ कोविड-19 पर ध्यान देने का वक्त है। लेकिन भाजपा गलत समय पर गलत चीजें कर रही है।' नागपुर में, देशमुख के आवास के बाहर धरना देकर ईडी के खिलाफ प्रदर्शन किया। पार्टी की नगर इकाई के अध्यक्ष दुनेश्वर पेठे के नेतृत्व में राकांपा कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और उसे 'निरंकुश' करार दिया। पेठे ने संवाददाताओं से बात करते हुए केंद्र सरकार पर सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग करने और एमवीए सरकार की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया।

ट्विटर को आईटी मिनिस्टर की दो टूक, हर प्लेटफॉर्म को मानने होंगे भारतीय कानून, नहीं होगा कोई समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के ट्विटर अकाउंट को एक घंटे के लिए ब्लॉक कर दिया गया था। खुद रविशंकर प्रसाद ने ही इस मामले की जानकारी दी। डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट के उल्लंघन को लेकर कानून मंत्री का अकाउंट ब्लॉक किया गया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ट्विटर की कार्रवाई आईटी नियमों का उल्लंघन है और कंपनी मेरे अपने खाते पर पहुंच से मना करने से पहले नोटिस देने में विफल रही। इससे बाद सिलसिलेवार ढंग से ट्वीट करते हुए कानून मंत्री ने कहा कि ट्विटर के कार्यों से संकेत मिलता है कि वे फ्री स्पीच के अग्रदूत नहीं हैं, जैसा कि उनकी तरफ से दावा किया जाता है। ट्विटर की मनमानी, असहनशीलता को लेकर मैंने जो टिप्पणियां की है, स्पष्ट तौर पर यह उसकी झल्लाहट है। रविशंकर प्रसाद ने कहा ट्विटर केवल अपने स्वयं के एजेंडे को चलाने में रुचि रखता है। साथ ही उन्होंने नए आईटी कानूनी को लेकर दो टूक कहा किचाहे कोई भी प्लेटफॉर्म हो, उन्हें नए आईटी नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा और उस पर कोई समझौता नहीं होगा।

गौरतलब है कि लगातार ट्विटर पर मनमानी करने और भारत सरकार के नए आईटी कानून को मानने को लेकर टालमटोल के आरोप लग रहे थे। इसके अलावा नीला टीक हटाना फिर बहाल करने जैसे कदम उठाकर सरकार को एक तरह से चैलेंज देने की भी कोशिश की जा रही थी। ट्विटर ने सरकार के साथ टकराव के बीच भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और संघ प्रमुख मोहन भगवत समेत कई दिग्गजों के अकाउंट को अनवेरिफाइड श्रेणी में डाल दिया था। इससे पहले बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा के ट्लकिट वाले ट्वीट को मैन्युपुलेटेड मीडिया का टैग लगा दिया था।

केरल महिला आयोग की अध्यक्ष जोसेफाइन ने अपने बयान पर विवाद होने पर दिया इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

केरल राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एम सी जोसेफाइन ने अपने कथित असंवेदनशील बयान से विवाद उत्पन्न होने के एक दिन बाद, शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। माकपा सूत्रों ने यह जानकारी दी। जोसेफाइन ने बुधवार को एक मलयालम चैनल पर सीधे प्रसारित किए जा रहे एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान घरेलू हिंसा की एक शिकायतकर्ता के साथ रूखेपन के साथ बात की थी जिसके बाद सत्तारूढ़ माकपा के लिए असहज स्थिति पैदा हो गयी थी। जोसेफाइल ने प्रदेश माकपा सचिवालय की बैठक में अपनी टिप्पणियों के संबंध में अपना रूख स्पष्ट किया था।

सूत्रों के अनुसार, लेकिन पार्टी ने उन्हें अपना इस्तीफा देने का निर्देश दिया। पार्टी के एक सूत्र ने कहा, '' वह शीघ्र ही मुख्य सचिव को अपना त्यागपत्र सौंपेगी।'' विपक्षी कांग्रेस और भाजपा ने जोसेफाइन के आचरण की निंदा की और उनके इस्तीफे की मांग की।टेलीविजन शो के दौरान एक महिला ने कहा कि उसका पति और सास उसे प्रताड़ित करते हैं। तब जोसेफाइन ने शिकायतकर्ता से पूछा कि क्या उसने अपने पति एवं सास के विरूद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज करायी ,। महिला ने 'ना' में इसका उत्तर दिया। इस पर जोसेफाइन ने कथित तौर पर कहा कि पुलिस में नहीं जाने का परिणाम भुगतइए। आयोग की अध्यक्ष गुस्से में ऐसा कहते नजर आईं।

शिकायतकर्ता ने जोसेफइान से कहा था कि 2014 में उसकी शादी हुई थी और उसके बच्चे नहीं है, ऐसे में उसके पति एवं सास अक्सर उसे प्रताड़ित करते हैं। टीवी चैनल पर महिला आयोग की अध्यक्ष का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोग उनके अंसवेदनशील रवैये को लेकर उनके इस्तीफे की मांग करने लगे। ऐसी मांग करने वालों में वामपंथी रूझान वाले लोग भी हैं। माकपा की केंद्रीय समिति की सदस्य जोसेफाइन ने एक बयान में अपने व्यवहार को लेकर खेद भी प्रकट किया।

ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों के लिए केजरीवाल जिम्मेदार: संबित पात्रा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त ऑडिट पैनल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दिल्ली भाजपा नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी के कारण कई लोगों की जान चली गई है और इन मौतों के लिए अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल को जवाबदेह ठहराएगा और उनके द्वारा किए गए अपराध के लिए उन्हें सजा देगा। पात्रा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार राष्ट्रीय राजधानी में कोविड की दूसरी लहर के प्रबंधन में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल का काम सिर्फ एक फॉर्मूला 100 फीसदी विज्ञापन और शून्य फीसदी कोविड प्रबंधन पर होता है। केजरीवाल ने केवल विज्ञापन पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने ऑक्सीजन की कमी के बारे में चार बार झूठ बोला है। उक्त रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली सरकार ने कोविड की दूसरी लहर के चरम के दौरान अपनी ऑक्सीजन की मांग को चार गुना बढ़ा दिया, जिससे 12 राज्यों को आपूर्ति प्रभावित हुई। पात्रा ने कहा, केजरीवाल के झूठ के कारण दिल्ली की मांग को पूरा करने के लिए 12 राज्यों में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम कर दी गई थी। अगर इस ऑक्सीजन का इस्तेमाल दूसरे राज्यों में किया जाता तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। यह केजरीवाल द्वारा किया गया जघन्य अपराध है। भाजपा प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि रिपोर्ट ने खुलासा किया कि केजरीवाल केंद्र सरकार को बदनाम करने के लिए ऑक्सीजन की जरूरतों पर राजनीति कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने ऑक्सीजन की मांग को चार गुना बढ़ा दिया। वहीं केंद्रीय नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा, इसका क्या जवाब है केजरीवाल जी? सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उप-समिति की रिपोर्ट बताती है कि कैसे दिल्ली सरकार कोरोना संकट के प्रबंधन में पूरी तरह विफल साबित हुई। निर्धारित मानदंडों के साथ बदलाव करके ऑक्सजीन जरूरत की गलत गणना भारत की कोविड के खिलाफ लड़ाई को बदनाम करने के मकसद का सुझाव देता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)